শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, ● www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 175 | गुवाहाटी | शनिवार, 25 जनवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

विपक्षी सांसदों ने स्पीकर को लिखा पत्र जगदंबिका पाल पर लगाया बड़ा आरोप — पेज 2
अहमदाबाद में मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने किया निवेश रोड शो का नेतृत्व — पेज 3
मोइन खान को सिर पर बैठाने और आंखों में बसाने वाले लोग बेटियों की... — पेज 5
अंगूठे की चोट से उबरे कुहनेमन, श्रीलंका दौरे के लिए मिली मंजूरी — पेज 7

door graph — Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

मनुष्य कितना भी बड़ा क्यो न बन जाए उसे हमेशा अपना अतीत याद करते रहना चाहिए।
– **ईश्वर चंद्र विद्यासागर**

न्यूज गैलरी

अपमान का बदला : बम लेकर छात्र पहुंचा स्कूल

पुडुचेरी। पुडुचेरी में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां के रेडियार पलायम पुलिस स्टेशन इलाके में एक प्राइवेट स्कूल में 11वीं अक छात्र चाकू लेकर आ गया और उसने दूसरे छात्र पर हमला कर दिया। टीचरों और अन्य छात्रों ने हमलावर छात्र को पकड़ा। स्कूल के स्टाफ ने जब आरोपी छात्र का बैग चेक किया तो उसमें 6 देशी बम मिले। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में चिकित्सकों और पुलिसकर्मियों पर हमला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बर्धमान शहर में एक सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल में गुरुवार रात जमकर हंगामा हुआ। देखते ही देखते मामला हिंसक हो गया। अस्पताल में उस समय हंगामा मचा, जब कथित चिकित्सा सुविधा की कमी को लेकर विवाद हो गया। पुलिस ने बताया कि विवाद के दौरान लोगों के एक समूह ने चिकित्सकों, अस्पताल कर्मचारियों और पुलिस कर्मियों पर हमला -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने जापानी संस्थानों से राज्य के विश्वविद्यालयों के साथ संबंध तलाशने को कहा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को टोक्यो में जापान के अग्रणी विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उनसे असम स्थित विश्वविद्यालयों के साथ संबंध स्थापित करने का आग्रह किया; विशेष रूप से संयुक्त डिग्री पाठ्यक्रमों, छात्र विनिमय कार्यक्रमों और अनुसंधान एवं कौशल विकास में सहयोग के माध्यम से। जापान की तीन दिवसीय व्यस्त यात्रा के अंतिम दिन आयोजित बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने असम और देश के बाकी हिस्सों के विशाल छात्र समुदाय को अधिक शैक्षिक अवसर प्रदान करने के साथ-साथ राज्य के छात्रों के लिए जापान के विश्वविद्यालय नेटवर्क तक पहुंच के लिए और अधिक रास्ते बनाने के बारे में भी बात की। इससे पहले दिन में शर्मा ने जापान की संसदीय उप मंत्री अकीको इकुइना से मुलाकात की और असम तथा जापान से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर उनके साथ अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। इसके बाद हुई बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कुशल कार्यबल के क्षेत्र में आपसी सहयोग और असम के युवाओं के लिए जापान में मौजूद अवसरों पर प्रकाश डाला। बैठक के दौरान इकुइना ने मुख्यमंत्री को भारत, विशेषकर असम के युवा और कुशल कार्यबल को जापान में रोजगार के अवसर प्रदान करने की जापान की मंशा से अवगत कराया। शर्मा ने भारत और जापान के बीच मजबूत मैत्री के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंध दोनों देशों में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की आधारशिला हैं। उल्लेखनीय है कि शर्मा की जापान यात्रा के दौरान असम और जापान दोनों के पारस्परिक लाभ के लिए संबंधों को मजबूत बनाने के लिए मंत्रियों और उद्योग जगत के लोगों के साथ कई बैठकें हुईं। मुख्यमंत्री ने टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन के टेरुतोशी हमानो और उनकी टीम के साथ भी बैठक की। चर्चा असम में संभावित ऑटोमोबाइल सहायक इकाई की स्थापना पर केंद्रित थी। शर्मा ने टोयोटा प्राधिकारियों से अनुरोध किया कि वे कंपनी के वर्तमान कौशल विकास कार्यक्रम को राज्य भर के और अधिक संस्थानों में विस्तारित करें। मुख्यमंत्री ने जापान की सबसे बड़ी चिप निर्माता कंपनियों में से एक टोक्यो इलेक्ट्रॉन (टीईएल) के कार्यकारी उपाध्यक्ष ताकेशी ओकुबो से भी मुलाकात की। टीईएल, जो सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में एक प्रमुख खिलाड़ी है, चिप्स बनाने वाले उपकरणों को डिजाइन करने में विशेषज्ञता रखती है। शर्मा ने कंपनी को असम के साथ साझेदारी करने के लिए आमंत्रित किया और उन्होंने टीईएल का ध्यान असम के जगीरोड में बनने वाले इलेक्ट्रॉनिक शहर की ओर आकर्षित किया, जिसे एंड-टू-एंड सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र का उत्कृष्टता केंद्र बनाने की परिकल्पना की गई है। मुख्यमंत्री ने मिजुहो सिक्योरिटीज इंडिया के सीईओ के साथ भी एक सार्थक बैठक की, जिसमें उन्होंने असम स्थित कंपनियों को ऋण लिंकेज बढ़ाने और जापानी फर्मों से निवेश की सुविधा प्रदान करने पर चर्चा की। मिजुहो सिक्योरिटीज एक अग्रणी वित्तीय संस्थान है, जिसे अभिनव वित्तीय समाधान और ऋण सुविधाएं प्रदान करने में विशेषज्ञता हासिल है। उन्होंने योकोगावा इलेक्ट्रिक के उपाध्यक्ष योशियाकी असाकुरा से भी मुलाकात की और असम में व्यापार के अवसरों पर चर्चा की। योकोगावा इलेक्ट्रिक एक प्रमुख जापानी इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग फर्म है जो एनआरएल और आईओसीएल के साथ मिलकर असम में काम कर रही है।

एनआईए अदालत ने एबीटी मामले में बरपेटा के दो लोगों को सजा सुनाई

गुवाहाटी। गुवाहाटी में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) मामले में असम के बरपेटा जिले के दो व्यक्तियों को कारावास की सजा सुनाई है। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम [यूए(पी) अधिनियम] की विभिन्न धाराओं के तहत सुनाया गया यह फैसला जिले में एबीटी मॉड्यूल के संचालन की जांच के बाद आया है। दोषियों में से एक, मामूनुर रशीद को यूए(पी) अधिनियम की धारा 19 के तहत तीन वर्ष के सश्रम कारावास और 1,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया। -शेष पृष्ठ दो पर

असम में महसूस किए गए झटके

गुवाहाटी। म्यांमार में रिक्टर पैमाने पर 4.8 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके असम के विभिन्न हिस्सों में महसूस किए गए। भूकंप 106 किलोमीटर की गहराई पर आया तथा इसका केंद्र अक्षांश 24.68ए उत्तर तथा देशांतर 94.87ए पूर्व पर स्थित था। भूकंपीय घटना 00:53:35 आईएसटी पर दर्ज की गई। असम में लोगों ने हल्की-फुल्की भूकंप की सूचना दी, जिससे कुछ लोग चिंता में अपने घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अभी तक किसी के हताहत होने या संपत्ति को -शेष पृष्ठ दो पर

असम ने 2030 तक 143 बिलियन अमेरिकी डॉलर के जीएसडीपी का लक्ष्य रखा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 2030 तक 143 बिलियन अमेरिकी डॉलर का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) हासिल करने के लिए राज्य के रोडमैप की रूपरेखा तैयार की है। हाल ही में एक बातचीत में 80 से अधिक व्यापारिक नेताओं को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने भारत में एक प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उभरने के लिए असम की क्षमता पर जोर दिया। असम ने 2024 में 4 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निजी निवेश को सुरक्षित करके सुर्खियां बटोरीं, जो राज्य के इतिहास में अब तक का सबसे अधिक है। यह मील का पत्थर घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों निवेशकों के लिए एक गंतव्य के रूप में राज्य की बढ़ती अपील को रेखांकित करता है। मुख्यमंत्री ने राज्य -शेष पृष्ठ दो पर

ग्रामीण शिक्षा के लिए सरकार ने 1,800 करोड़ रुपए के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा दिया

गुवाहाटी। राज्य भर में ग्रामीण स्कूलों के बुनियादी ढांचे के नवीनीकरण के उद्देश्य से, असम राज्य सरकार 1,800 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से 252 राज्य संचालित शैक्षणिक संस्थानों के लिए नए भवनों का निर्माण कर रही है। कथित तौर पर, माध्यमिक शिक्षा निदेशक ममता होजाई ने बताया कि 126 विधानसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक से 252 सरकारी स्थानीय भाषा स्कूलों का चयन किया गया है। होजाई के अनुसार, वे ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि (आरआईडीएफ) के तहत एक परियोजना के तहत इन चयनित स्कूलों के बुनियादी ढांचे को उन्नत कर रहे हैं। अधिकांश स्कूलों में निर्माण कार्य पहले से ही चल रहा है और अगले साल तक इसके पूरा होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि स्कूलों का चयन संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के विधायकों के सुझावों के आधार पर किया गया है। -शेष पृष्ठ दो पर

एटीसीएल कर्मचारियों का बकाया चुकाने के लिए असम सरकार 70 करोड़ रुपए का भुगतान करे : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को असम सरकार को निर्देश दिया कि वह नकदी संकट से जूझ रही असम चाय निगम लिमिटेड को उसके श्रमिकों के लंबे समय से लंबित बकाये का भुगतान करने के लिए 35-35 करोड़ रुपए की दो बराबर किस्तों में 70 करोड़ रुपए का भुगतान करे। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि राज्य सरकार को सहमत होने में कुछ समय लगा। न्यायालय ने राज्य सरकार के दो किस्तों में राशि भुगतान के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और कहा कि पहली किस्त 30 जून तक दे दी जाएगी। दूसरी किस्त 30 जून 2026 तक एटीसीएल के सक्षम प्राधिकारियों के पास जमा कर दी जाएगी। पीठ ने कहा कि हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि जब भी एटीसीएल के पास राशि जमा होगी, वह उसे आनुपातिक आधार पर वितरित करेगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह 70 करोड़ रुपए जमा कराने के बाद ही तय करेगी कि राज्य सरकार को किसी अन्य दायित्व से मुक्त किया जाना चाहिए या नहीं। पिछले साल 9 दिसंबर को राज्य सरकार ने कहा था कि 70 करोड़ रुपए दो वार्षिक किश्तों में भुगतान किए जाएंगे और हलफनामा दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा था। -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में सुरक्षा बलों की कार्रवाई

तीन आतंकी गिरफ्तार, 12 एकड़ अवैध अफीम की खेती नष्ट की

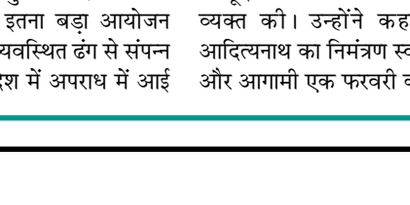

इंफाल। 18 महीनों से ज्यादा समय से मणिपुर में चल रहे सामुदायिक हिंसा ने राज्य भर में अशांति फैला रखी है। राज्य सरकार और केंद्र सरकार के कई प्रयासों के बावजूद इस हिंसा की आग खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। इसी बीच मणिपुर में सुरक्षाबलों का एक बड़ा एक्शन सामने आया है। जहां एक तरफ थौबल और इंफाल के पश्चिम जिलों में सुरक्षाबलों ने अलग-अलग -शेष पृष्ठ दो पर

मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने के लिए आंदोलन करेगी विहिप

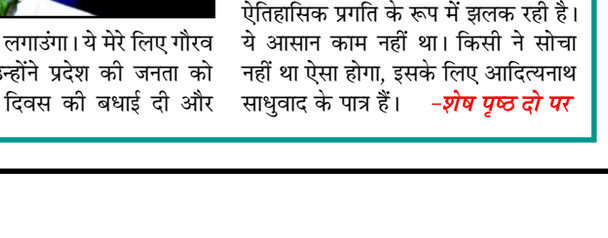

महाकुंभ नगर (हि.स)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक में संतों ने मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की मांग उठाई। इसकी मांग को लेकर विहिप आंदोलन भी करेगी। इसके साथ ही अयोध्या के बाद काशी और मथुरा को मुक्त किए जाने और देश में समान नागरिक संहिता लागू करने की भी मांग उठाई गयी। वक्फ बोर्ड के मुद्दे पर संतों ने एक स्वर से कहा कि इसकी कोई जरूरत नहीं है। महाकुंभ क्षेत्र में विहिप की ओर से आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा कि अंग्रेजों के समय से हमारे प्रमुख मंदिर सरकार के कब्जे में हैं। मंदिरों को मुक्त करने के लिए विहिप आंदोलन करेगी। इस दौरान मंच पर जगद्गुरु आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि, विहिप के केंद्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार और केंद्रीय महामंत्री बजरंग लाल बागड़ा उपस्थित रहे। अवधेशानंद गिरि ने बताया कि केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल के पूज्य संतों ने दुनियाभर के हिंदू समाज की धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आवश्यकताएं, चुनौतियां और संकटों के संदर्भ में विचार करते हुए हिंदू समाज का मार्गदर्शन किया है। इसमें निम्नलिखित विषय-बिंदुओं पर संतों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। देशभर में मंदिरों को सरकारी नियंत्रण -शेष पृष्ठ दो पर

एक्टिंग छोड़ किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनीं ममता कुलकर्णी

महाकुंभ नगर। 90 के दशक के दौरान बॉलीवुड में एक लोकप्रिय नाम रहीं ममता कुलकर्णी अब आधिकारिक तौर पर *संन्यास* लेने के बाद साध्वी बन गई हैं। वह महाकुंभ मेले में भी पहुंची हैं जहां उन्होंने किन्नर अखाड़े में आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी से मुलाकात की। वह गले में रुद्राक्ष की माला और कंधे पर भगवा बैग लटकाए नजर आईं। सोशल मीडिया पर ममता का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह एक हिंदू साधु की तरह भगवा रंग की पोशाक पहने हुए देखी जा सकती हैं। पूर्व अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने -शेष पृष्ठ दो पर

प्रयागराज का महाकुंभ देख पूरी दुनिया आश्चर्यचकित : धनखड़

लखनऊ (हि.स.)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि आठ साल में उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बन चुका है और अब यह उद्यम प्रदेश बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ कर कहा कि वे दृढ़संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश के विकास के लिए समर्पित हैं। उप राष्ट्रपति शुक्रवार को राजधानी के अवध शिल्पग्राम में उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महाकुंभ की चर्चा कर कहा कि पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है कि प्रयागराज में इतना बड़ा आयोजन आखिर कैसे इतने सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो रहा है। उन्होंने प्रदेश में अपराध में आई गिरावट की तारीफ की और कहा कि इससे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में उल्लेखनीय उछाल आया है। उन्होंने आदित्यनाथ के नारे *बंटेंगे तो कटेंगे* का समर्थन करते हुए कहा कि उनके इस विचार को पूरे देश ने अपना समर्थन दिया है। उप राष्ट्रपति ने देश में अवैध शरणार्थियों की मौजूदगी पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मैंने योगी आदित्यनाथ का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है और आगामी एक फरवरी को परिवार के साथ महाकुंभ में डुबकी लगाउंगा। ये मेरे लिए गौरव की बात होगी। उन्होंने प्रदेश की जनता को राज्य के स्थापना दिवस की बधाई दी और कहा कि मुख्यमंत्री योगी ने इस बात को चरितार्थ किया है कि यूपी अनलिमिटेड पोटेंशियल वाला प्रदेश है। उन्होंने कहा कि राज्य स्थापना दिवस मनाने की परंपरा सराहनीय कदम है। हर स्थापना दिवस पर एक योजना प्रारंभ की गई है। आज मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान का शुभारंभ किया गया है। इसके अंतर्गत 10 लाख उद्यमी ही नहीं बनेंगे, बल्कि ये उद्यमी औरों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित करेंगे। उप राष्ट्रपति ने कहा कि यूपी की पहचान इसकी तीव्र और ऐतिहासिक प्रगति के रूप में झलक रही है। ये आसान काम नहीं था। किसी ने सोचा नहीं था ऐसा होगा, इसके लिए आदित्यनाथ साधुवाद के पात्र हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

फर्जी खबरें बड़ा खतरा, चुनावी प्रक्रियाओं में खत्म होता है लोगों का भरोसा : ईसी

नई दिल्ली। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने फर्जी बयानों व धारणाओं को लेकर आगाह करते हुए चिंता जताई कि इससे चुनावी प्रक्रिया में विश्वास खत्म होता है। उन्होंने कहा कि गलत सूचनाएं खास तरह से ऐसे वक्त प्रसारित की जाती हैं जिससे चुनाव प्रक्रिया को निशाना बनाया जा सके। वह निर्वाचन आयोग की ओर से आयोजित विभिन्न चुनाव प्रबंधन निकायों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बोल रहे थे। राजीव कुमार ने चुनावों के भविष्य को आकार देने में एआई-संचालित प्रक्रियाएं, ऑनलाइन और दूरस्थ मतदान, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और वैश्विक सहयोग में वृद्धि जैसे मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने मौजूद सभी चुनाव प्रबंधन निकायों से चुनावों को अधिक पारदर्शी, समावेशी और सुलभ बनाने के लिए प्रौद्योगिकी प्रगति के अवसरों को तलाशने का आग्रह किया। उन्होंने न सिर्फ वैश्विक -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

विपक्षी सांसदों ने स्पीकर को लिखा पत्र जगदंबिका पाल पर लगाया बड़ा आरोप

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के सदस्यों ने माननीय अध्यक्ष ओम बिरला को एक पत्र सौंपा है, जिसमें उनसे यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है कि जेपीसी अध्यक्ष पारदर्शी और निष्पक्ष रूप से कार्यवाही संचालित करें। पत्र में कहा गया है कि आज सुबह 11 बजे जब बैठक शुरू हुई तो हम विपक्ष के सदस्यों ने सभापति के कामकाज के संचालन के तरीके के खिलाफ पूरे सम्मान के साथ अपनी आवाज उठाई। हमने नियमों में विचारित उचित प्रक्रिया की अनदेखी करके जेपीसी के कामकाज के एकतरफा और अनुचित तरीके पर प्रकाश डाला। विपक्षी सांसदों ने दावा किया कि यह सम्मानपूर्वक प्रस्तुत किया गया है कि चूंकि 24 और 25 तारीख को बैठक के लिए निर्धारित नोटिस दिया गया था, इसलिए हम सदस्यों ने 31 तारीख को संसद सत्र शुरू होने के कारण 27 से 30 तारीख तक निर्वाचन क्षेत्र/राज्यों में अपने कार्यक्रम तैयार किए और इस तरह 27वीं बैठक को स्थगित करने के लिए प्रार्थना की। जबकि हमने इन उचित दावों को सभ्य तरीके से अध्यक्ष के सामने रखा, लेकिन उन्होंने जवाब देने का प्रयास भी नहीं किया। जैसा कि हम सभी ने अपमानित महसूस किया, हम खड़े हुए और अपनी मांगों को सुनने के लिए लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाई। इसी बीच चेयरमैन ने किसी से फोन पर बात की और अचानक और आश्चर्यजनक रूप से चिल्लाते हुए उन्होंने हमारे निलंबन का आदेश दे दिया। पत्र में लिखा गया है कि हितधारकों द्वारा उठाए गए इन मुद्दों को समग्र तरीके से संबोधित करने के लिए जेपीसी द्वारा एक व्यापक अध्ययन की अनिवार्य रूप से आवश्यकता है। इन परिस्थितियों में अध्यक्ष द्वारा बिना सोचे समझे जेपीसी की कार्यवाही में जल्दबाजी करना छिपी हुई दुर्भावना से भरी एक पहेली के अलावा और कुछ नहीं है। हमारी राय है कि जेपीसी के अध्यक्ष के पास समिति के सदस्यों को निलंबित करने की शक्ति नहीं है। इसलिए प्रार्थना की जाती है कि जेपीसी के अध्यक्ष को कार्यवाही को पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संचालित करने का निर्देश दिया जाए। सभापति को 27वीं बैठक स्थगित कर देनी चाहिए ताकि विपक्षी सदस्यों को संसद के लोकतंत्र को सुनिश्चित करने के लिए नियमों और प्रक्रिया से विचलित हुए बिना हमारी दलीलों/दावों को रखने के लिए पर्याप्त समय और अवसर मिल सके, जिस पर राष्ट्र को अभी भी विश्वास है। वहीं, सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि संवैधानिक परंपराओं का पालन नहीं किया जा रहा है। वक्फ संशोधन विधेयक वक्फ को बचाने के लिए नहीं बल्कि उसे नष्ट करने के लिए है। वे अपने राजनीतिक एजेंडे के तहत विधेयक पेश कर रहे हैं। रामपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद मोहिब्बुल्लाह नदवी ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा मुसलमानों के धार्मिक मामले वक्फ की हमारी अवधारणा को खत्म करने की कोशिश कर रही है। ऐसा लगता है जैसे यह लोकतांत्रिक मूल्यों का अंत है और हम संविधान का पालन नहीं कर रहे हैं। हमारे संविधान की प्रस्तावना में निहित समानता को खत्म किया जा रहा है। वक्फ बिल जेपीसी के सदस्य और टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि स्पीकर क्या करेंगे? पूरा शो दो लोगों द्वारा चलाया जा रहा है। जो लोग हर जगह बैठे हैं, उनके पास कुछ भी करने की शक्ति नहीं है।

एक्शन मोड में विनेश फौगाट, निर्माण कार्यों में खामी पर जेई को फटकारा

जींद (हिंस)। जुलाना कस्बे में नगर पालिका द्वारा बनाए जा रहे फुटपाथ का जुलाना की विधायक विनेश फोगाट ने शुक्रवार को निरीक्षण किया। जुलाना में हांसी रोड पर 800 मीटर की दूरी तक 50 लाख की लागत से फुटपाथ को पक्का किया जा रहा है। जुलाना हलके के गांवों का दौरा कर रही कांग्रेस की विधायक विनेश फोगाट ने फुटपाथ का निरीक्षण किया और मौके पर जेई को बुलाकर फुटपाथ को उखड़वाया और सैंपल लेने के लिए पेटी से माप किया। माप करने पर फुटपाथ में रोड़ा कम मिलने पर जेई को जम कर फटकार लगाई। विधायक ने जेई से पूछा कि इसमें कितने इंच रोड़ा डाला गया है तो जेई ने कहा कि कागजों में आठ इंच है लेकिन औसतन सात इंच तक रोड़ा डाला गया है। जांच में पाया गया कि रोड़ा तीन इंच से भी कम डाला गया था। जिस पर विधायक ने जुलाना नगर पालिका के सचिव पूजा साहू से फोन पर बात की। विधायक ने कहा कि फुटपाथ के निर्माण में रोड़ा कम ही डाला गया है तो सचिव ने बताया कि उन्हें रिपोर्ट दी गई है कि पूरा माल डाला जा रहा है। जिस पर विधायक ने कहा कि माल पूरा नही डाला गया है। आप मौके पर पहुंचकर जांच करो। विधायक ने जेई से पूछा कि आपकी देख रेख में काम चल रहा है तो आपने जांच क्यों नही की। जेई ने कहा कि जो भी उच्चाधिकारी आदेश देंगे रोड़े को पूरा कर दिया जाएगा। विधायक ने कहा कि अब फुटपाथ पूरा बनने वाला है तो तीन जगह जांच की गई है तीनों में रोड़ा कम मिला तो जेई ने कहा कि वो इसे पूरा करवा देंगे। विधायक ने कहा कि अगर इसे दोबारा उखाड़ंगे तो क्या समाधान हो जाएगा। जेई ने कहा कि अभी तक कोई भी पेमेंट नही हुई है। विधायक ने कहा कि जिस काम की सरकार ने मंजूरी दे दी तो उसकी पेमेंट भी होगी।

आईआईटी गुवाहाटी में शुरू हुआ स्पिकमके विरासत 2025 उत्सव

गुवाहाटी (हिंस)। आईआईटी गुवाहाटी में स्पिकमके विरासत 2025 उत्सव का शुभारंभ हुआ। डॉ. भूपेन हजारिका सभागार में ओडिसी नृत्य प्रदर्शन के साथ इस मनमोहक शास्त्रीय संगीत उत्सव की शुरुआत हुई। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त नृत्य कलाकार मधुलिता महापात्रा ने बीती रात ओडिसी नृत्य का प्रदर्शन किया। चार दिवसीय कार्यशाला के दौरान उन्होंने आईआईटी गुवाहाटी के छात्रों के एक दल को प्रशिक्षण दिया। उनके निर्देशन में छात्रों की टीम ने भी ओडिसी नृत्य का प्रदर्शन किया। 26 जनवरी तक चलने वाले विरासत 2025 उत्सव में ओडिसी नृत्य के अलावा राजस्थानी नृत्य और भारत के विभिन्न लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया जाएगा।

अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे दूसरे देशों के नागरिकों की धरपकड़ तेज, 538 गिरफ्तार

वाशिंगटन (हि.स.)। संयुक्त राज्य अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे दूसरे देशों के नागरिकों की धरपकड़ तेज हो गई है। कुछ दिन पहले देश की दूसरी बार बागडोर संभालने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कह चुके हैं कि देश में एक भी व्यक्ति को अवैध रूप से रहने नहीं दिया जाएगा। राष्ट्रपति की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि आज 538 अवैध आप्रवासी अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक्स पर लिखा है कि आज ट्रंप प्रशासन ने एक संदिग्ध आतंकवादी ट्रेन डी अरागुआ गिरोह के चार सदस्यों और नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराधों के दोषी कई लोगों सहित 538 अवैध आप्रवासी अपराधियों को गिरफ्तार किया है। अरब न्यूज की खबर के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति की प्रेस सचिव लेविट ने गुरुवार देर रात यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत सैकड़ों लोगों को सैन्य विमानों के जरिये निर्वासित किया गया। अमेरिका के इतिहास का यह सबसे बड़ा निर्वासन अभियान अच्छी तरह से चल रहा है। किए गए वादे निभाए जा रहे हैं। ट्रंप ने दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ अपना दूसरा कार्यकाल शुरू किया है। नेवार्क शहर के मेयर रास जे. बाराका ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) एजेंटों ने एक स्थानीय प्रतिष्ठान पर छापा मारा। यहां से बिना दस्तावेज के रह रहे दूसरे देशों के निवासियों और कुछ स्थानीय नागरिकों को हिरासत में लिया गया। हिरासत में लिए गए लोगों में एक सैन्य अनुभवी व्यक्ति भी है। आईसीई ने भी एक्स पर लिखा कि 538 लोगों को गिरफ्तार करने के साथ 373 को हिरासत में लिया गया है। न्यू जर्सी के डेमोक्रेटिक सीनेटर कोरी बुकर और एंडी किम ने संयुक्त बयान में आव्रजन एजेंटों के छापे पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

No.E320595/

Result

The Directorate of Information and Public Relations, Assam hereby declares today, the 24th of January/2025 the results of the Walk-in Interview for the posts of 2 (two) Contractual Hindi Translator-cum-Content Writers under the Directorate of Information and Public Relations, Assam, Dispur, Guwahati-6 issued vide (Advt. No.E.320595/785 dtd.20-12-2024 and No.E. 320595/786 dt. 03-01-2025 as mentioned below :

Sl. No.	Name of the Candidate	Roll No.	Name of the Post
1	Smti Smriti Pradhan Beltola, Guwahati-781028	24	Hindi Translator-cum-Content Writer
2	Smti Manasha Neog Xoru Kathani (Dhalpur) P.O. Bhatowkuchi, Lakhimpur, Assam - 784165	13	Hindi Translator-cum-Content Writer

Results can also be accessed by visiting DIPR's official website at https://dipr.assam.gov.in

Director of information & Public Relations, Assam, Dispur, Guwahati - 6

-- Janasanyog /D/11964/24/25-Jan-25

पृष्ठ एक का शेष

एनआईए अदालत ने...

जुर्माना न चुकाने की स्थिति में राशिद को एक महीने की अतिरिक्त साधारण कैद की सजा काटनी होगी। साथ ही उसे यूए(पी) अधिनियम की धारा 20, 38 और 39 के तहत 2 साल, 10 महीने और 13 दिन की कठोर कैद की सजा भी सुनाई गई है। इसके अतिरिक्त, राशिद को आईपीसी की धारा 120(बी) के तहत तीन महीने की साधारण कारावास की सजा दी गई। दूसरे आरोपी मुकीबुल हुसैन को छह महीने के साधारण कारावास और 500 रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई गई। उसे आईपीसी की धारा 120 (बी) के तहत 14 दिन का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। राशिद की तरह, हुसैन को भी यूए(पी) अधिनियम की धारा 20, 38 और 39 के तहत 2 साल, 8 महीने और 13 दिन के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। मार्च 2022 में दर्ज किया गया यह मामला एबीटी मॉड्यूल के इर्द-गिर्द घूमता है, जो कथित तौर पर भारतीय उपमहाद्वीप में अल कायदा (एक्यूआईएस) से संबद्ध था। बांग्लादेशी नागरिक सैफुल इस्लाम उर्फ हारून रशीद के नेतृत्व में यह मॉड्यूल असम के बरपेटा जिले में सक्रिय रूप से काम कर रहा था। एनआईए ने अगस्त 2022 में आठ व्यक्तियों के खिलाफ अपना पहला आरोपपत्र दायर किया, इसके बाद अगस्त 2023 में दो और के खिलाफ पूरक आरोपपत्र दायर किया। मामले में अन्य आरोपियों के खिलाफ जांच और मुकदमे अभी भी जारी हैं, जो क्षेत्र में आतंकी नेटवर्क को खत्म करने के निरंतर प्रयासों पर प्रकाश डालता है।

असम ने 2030 तक ...

की 12 बिलियन अमेरिकी डॉलर की बुनियादी ढांचा निवेश योजना को अपनी आर्थिक रणनीति की आधारशिला के रूप में उजागर किया। व्यापक योजना में परिवहन नेटवर्क, औद्योगिक गलियारे, ऊर्जा परियोजनाएं और शहरी बुनियादी ढांचे का विकास शामिल है। इन पहलों का उद्देश्य कनेक्टिविटी को बढ़ावा देना और वैश्विक फर्मों को आकर्षित करने के लिए निवेशक-अनुकूल वातावरण बनाना है। आर्थिक विकास पर सरकार का रणनीतिक ध्यान विभिन्न नीति सुधारों और व्यवसाय करने में आसानी को बढ़ाने के लिए डिजाइन की गई पहलों द्वारा समर्थित है। राज्य का बढ़ता औद्योगिक आधार, इसके समृद्ध प्राकृतिक संसाधन, कुशल कार्यबल और रणनीतिक स्थान, एक प्रमुख आर्थिक केंद्र बनने की दिशा में इसके प्रयासों में महत्वपूर्ण कारक हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि असम भारत का अगला आर्थिक केंद्र बनने के लिए तैयार है। हमारी 12 बिलियन अमेरिकी डॉलर की बुनियादी ढांचा निवेश योजना वैश्विक फर्मों के लिए एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करती है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय व्यवसायों को असम के परिवर्तन की यात्रा में भागीदार बनने के लिए आमंत्रित किया, और उन्हें विकास के लिए अनुकूल वातावरण का आश्वासन दिया। अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्यों और स्पष्ट रोडमैप के साथ, असम अपनी विशाल आर्थिक क्षमता को अनलॉक करने के लिए तैयार है। बुनियादी ढांचे के विकास और निवेश को आकर्षित करने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता विकास और समृद्धि के एक नए युग का संकेत देती है, जो इसे भारत के आर्थिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनाती है।

एटीसीएल कर्मचारियों का ...

राज्य सरकार ने कहा था कि उसके पास घाटे में चल रही इस कंपनी में और अधिक धनराशि डालने की क्षमता नहीं है, क्योंकि कंपनी 14 चाय बागान चलाती है। इसके बाद न्यायालय ने एटीसीएल के अध्यक्ष से कंपनी की चल और अचल संपत्तियों का ब्यौरा प्रस्तुत करने को कहा। इसमें असम के तत्कालीन मुख्य सचिव रवि कोटा की दलीलें दर्ज की गईं, जिन्होंने कहा था कि राज्य ने नकदी संकट से जूझ रहे एटीसीएल को उबारने की पूरी कोशिश की, लेकिन वह इसे बचाने में असमर्थ रहा। कोटा ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल ने निर्णय लिया है कि घाटे में चल रहे उद्यम में और अधिक धनराशि डालना विवेकपूर्ण नहीं होगा। पीठ ने कहा कि स्थिति को देखते हुए वह 14 चाय बागानों को बेचने का निर्देश देगी ताकि भविष्य निधि सहित अपने कर्मचारियों के बकाये का भुगतान किया जा सके। शीर्ष अदालत राज्य के स्वामित्व वाली उद्यम एटीसीएल के श्रमिकों को बकाया भुगतान न करने पर अवमानना याचिका पर कार्रवाई कर रही थी। अवमानना याचिका अंतर्राष्ट्रीय खाद्य एवं कृषि श्रमिक संघ द्वारा बकाया भुगतान और पेंशन लाभ के लिए 2006 में दायर की गई याचिका के संबंध में दायर की गई थी। शीर्ष अदालत ने 2010 में श्रमिकों को बकाया भुगतान करने का निर्देश दिया था, लेकिन निर्देश का पालन न करने पर 2012 में अवमानना याचिका दायर की गई थी। शीर्ष अदालत द्वारा 2020 में गठित एक समिति ने श्रमिकों का बकाया लगभग 414.73 करोड़ और भविष्य निधि के रूप में लगभग 230 करोड़ होने की गणना की थी। 7 फरवरी, 2023 को शीर्ष अदालत ने असम के 25 चाय बागानों के 28,556 श्रमिकों को लगभग 650 करोड़ रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया, जिसमें एटीसीएल के स्वामित्व वाले 15 बागान शामिल हैं।

मंदिरों को सरकारी ...

से मुक्त करने का जागरण अभियान प्रारम्भ हुआ है। आन्ध्र प्रदेश के विजयवाड़ा से इस अभियान का शंखनाद हो चुका है। संतों ने आग्रह किया कि सभी मंदिर सरकारी नियंत्रण से मुक्त किये जाएं, सरकारी नियंत्रण स्थापित करने वाले कानून हटाए जाएं और मंदिरों का प्रबंधन आस्था रखने वाले भक्तों को सौंपा जाए। हिंदू समाज के घटते जन्मदर का प्रमुख कारण हिंदू जनसंख्या में हो रहा असंतुलन है। हिंदू समाज के अस्तित्व की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण दायित्व के रूप में हर हिंदू परिवार में कम से कम तीन बच्चों का जन्म होना चाहिए। मार्गदर्शक मंडल के संतों ने आह्वान किया है कि हिंदू समाज की जनसंख्या को संतुलित बनाये रखने के लिए हिंदू समाज के जन्मदर को बढ़ाने की आवश्यकता है। अवधेशानंद गिरि ने बताया कि वक्फ बोर्ड के निरंकुश एवं असीमित अधिकारों को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार संशोधन अधिनियम लाने वाली है, उसका केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल स्वागत करता है। साथ ही यह आह्वान करता है कि यह कानून पारित होना चाहिए तथा सभी दलों के सांसदों को इसमें सहयोग करना चाहिए। वर्ष 1984 के धर्म संसद से लेकर अयोध्या, मथुरा, काशी के मंदिरों की प्राप्ति के लिए संत समाज, हिंदू समाज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विहिप संकल्पबद्ध थे, हैं और रहेंगे। भारत के उत्थान के लिए सामाजिक समरसता, पर्यावरण की रक्षा, कुटुम्ब प्रबोधन से हिंदू संस्कारों का सिंचन तथा सामाजिक कुप्रथाओं का निर्मूलन, अपने स्व का आत्मबोध तथा अच्छे नागरिकों के कर्तव्य, ये राष्ट्रीय चारित्र्य का विकास समाज के लिए आवश्यक है। बैठक प्रमुख रूप से जगद्गुरु शंकराचार्य वासुदेवानंद सरस्वती, आचार्य महामंडलेश्वर विशोकानंद, महामंडलेश्वर विश्वात्मानंद भारती, महामंडलेश्वर बालकानंद, स्वामी चिदानंद मुनि, स्वामी राजेंद्र देवाचार्य, स्वामी कौशल्यानंद गिरि, स्वामी अश्विलेश्वरानंद, स्वामी हरिहरानंद, श्रीमहंत निर्मोही अखाड़ा राजेंद्र दास, महंत रविंद्र पुरी जी महाराज, पूज्य भास्कर गिरि जी आदि उपस्थित रहे।

तीन आतंकी गिरफ्तार...

अभियान के तहत तीन संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। तो वहीं दूसरी ओर मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में सुरक्षाबलों ने लगभग 12 एकड़ में फैले अवैध अफीम की खेती को नष्ट कर दिया। तीन उग्रवादियों की गिरफ्तारी को लेकर शुक्रवार को पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि मणिपुर के थौबल और इंफाल पश्चिम जिलों में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग अभियानों में तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इनमें से दो लोग कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के सक्रिय सदस्य थे, जिन्हें गुरुवार को थौबल के एक गांव से पकड़ा गया। पुलिस द्वारा जारी बयान में बताया गया कि गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से पिस्तौल, गोला-बारूद, नकदी और अन्य सामान बरामद किए गए। साथ ही कांगली यावोल कन्ना लूप (केवाईकेएल) से जुड़े एक एक अन्य व्यक्ति को बुधवार को इंफाल पश्चिम के लांगोल इलाके से गिरफ्तार किया गया। इस मामले में पुलिस की जांच अभी भी जारी है। दूसरी ओर सुरक्षाबलों ने उग्रवादियों के अर्थ को खत्म करने के लिए चलाए गए अभियान के तहत चुराचांदपुर जिले में लगभग 12 एकड़ में फैली अवैध अफीम की खेती को नष्ट कर दिया। मामले में पुलिस ने बताया कि मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में सुरक्षा बलों ने करीब 12 एकड़ में फैली अवैध अफीम की खेती को नष्ट कर दिया। पुलिस द्वारा जारी बयान में आगे बताया गया कि यह कार्रवाई गुरुवार को डंपी रिजर्व फॉरेस्ट के सिडेन चांगपीकोट इलाके में की गई। साथ ही पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस अभियान में जिला पुलिस, चुराचांदपुर के डीएफओ और केंद्रीय बलों की एक संयुक्त टीम ने मिलकर यह कार्रवाई की।

एक्टिंग छोड़ किन्नर ...

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में संगम घाट पर अपना *पिंड दान* किया। किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण ने कहा कि किन्नर अखाड़ा उन्हें महामंडलेश्वर बनाने जा रहा है। उनका नाम श्री यामाई ममता नंदगिरि रखा गया है। ममता कुलकर्णी ने कहा कि यह महादेव, महा काली का आदेश था। यह मेरे गुरु का आदेश था। उन्होंने यह दिन चुना। मैंने कुछ नहीं किया। बताया जा रहा है कि उनका पट्टाभिषेक किया जाएगा। साध्वी बनने के बाद ममता ने कहा कि महाकुंभ में आना और आयोजन की भव्यता देखना उनके लिए बेहद यादगार पल है। ममता ने यह भी कहा कि वह पवित्र महाकुंभ का गवाह बनकर खुद को भाग्यशाली महसूस कर रही हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया ने किन्नर अखाड़े की नवनियुक्त महामंडलेश्वर माई ममतानंद गिरी के हवाले से बताया कि मैंने किन्नर अखाड़े में शामिल होने का फैसला किया, जिसका मार्गदर्शन हमारे गुरु महामंडलेश्वर स्वामी पार्वती नंद गिरि ने किया था, क्योंकि यह दुनिया भर में सनातन धर्म का प्रचार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने छह साल में किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महाराज से बहुत कुछ सीखा है। महाकुंभ में संन्यास लेने का उनका निर्णय, जहां लाखों लोग आध्यात्मिक सांत्वना की तलाश में इकट्ठा होते हैं, उनके जीवन की दिशा में एक गहन बदलाव को रेखांकित करता है। बॉलीवुड में ममता कुलकर्णी का सफर 1992 की फिल्म *तिरंगा* में राज कुमार और नाना पाटेकर जैसे स्थापित अभिनेताओं के साथ एक छोटी सी भूमिका के साथ शुरू हुआ। हालांकि, यह 1993 में *अशांत, आशिक आवारा* और *वक्त हमारा है* में उनकी भूमिकाएं थीं, जिन्होंने वास्तव में 90 के दशक के एक प्रसिद्ध आइकन के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत किया।

असम में महसूस...

कोई बड़ी क्षति होने की खबर नहीं है। असम भूकंपीय दृष्टि से सक्रिय क्षेत्र में स्थित है और इस क्षेत्र में टेक्टोनिक हलचलों के कारण अक्सर भूकंप आते रहते हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) स्थिति पर नजर रख रहा है और नागरिकों को आवश्यकता पड़ने पर शीघ्र सहायता का आश्वासन दिया है। निवासियों को ऐसी घटनाओं के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी जाती है, जिसमें कमजोर संरचनाओं से दूर रहना, भारी वस्तुओं को सुरक्षित रखना और आपातकालीन किट तैयार रखना शामिल है। जैसे-जैसे अधिकारी स्थिति का आकलन करते रहेंगे, आगे और अधिक जानकारी दी जाएगी।

ग्रामीण शिक्षा के ...

यह पहल 322 स्कूलों के विकास के लिए 2,369.86 करोड़ रुपए के कुल बजट वाली एक बड़ी विस्तार योजना का हिस्सा है, जिसकी घोषणा असम के वित्त मंत्री अजंता नियोग ने की है। इस योजना में शामिल कुछ उल्लेखनीय स्कूल हैं - बाजाली में पाटाचारकुची विद्यापीठ, कछार में अर्ल एचएस स्कूल, डिब्रूगढ़ में ग्राहम बाजार गर्ल्स हाई स्कूल, डिमा हसाउ में माईबोंग सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जोरहाट में देवीचरण बरुआ गर्ल्स हाई स्कूल, गुवाहाटी में नतुन फटासिल टाउन हाई स्कूल और नलबाड़ी गर्ल्स हाई स्कूल।

प्रयागराज का महाकुंभ ...

विश्वस्तरीय संस्थागत ढांचे के निर्माण में यूपी सबसे आगे है। पूरी दुनिया के लिए ये एक उदाहरण है। तकनीकी और व्यापार के विस्तार में भारत की लंबी छलांग में यूपी की भागीदारी महत्वपूर्ण है। एक जमाना था जब यूपी की पहचान कानून व्यवस्था की चिंता से होती थी। उससे निकलने का रास्ता नहीं दिखता था। प्रदेश एक चक्रव्यूह में फंस गया था। संभावनाएं कुंठित हो गई थीं। योगी जी ने इसे सुशासन वाले प्रदेश की पहचान दी है। इस प्रगति की चर्चा देश-विदेश में है। इस प्रदेश पर श्रीराम, श्रीकृष्ण, काशी विश्वनाथ और संकटमोचन बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त है। गोरखनाथ मंदिर के पीठाधीश्वर इसका नेतृत्व कर रहे हैं। जब नेतृत्वकर्ता मजबूत होता है तो विकास गुणात्मक होता है। इस प्रदेश में योगियों की लंबी श्रृंखला रही है। आज इस प्रदेश का नेतृत्व एक योगी के हाथ में है। भगवान बुद्ध ने यहां प्रथम संदेश दिया। उत्तर प्रदेश स्वतंत्रता आंदोलन की गाथाओं से ओत प्रोत है। उप राष्ट्रपति ने कहा कि 26 साल की उम्र में और बीते 26 साल से आदित्यनाथ ने जनसेवा के लिए खुद को दृढ़संकल्प के साथ समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें महंत अवेद्यनाथ के बाद सांसद बनने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि लगातार दो बार मुख्यमंत्री बनने वाले इस प्रांत में केवल योगी आदित्यनाथ हैं। इनका कार्यकाल किसी भी पहले के मुख्यमंत्री से ज्यादा रहा है। प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि अपने दृढ़ संकल्प और अथक प्रयासों से यूपी नित नया कीर्तिमान रच रहा है। ये गौरवपूर्ण अवसर है। यूपी ने 2018 से स्थापना दिवस को उत्सव और भव्यता के साथ मनाने की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि यूपी भारत की आत्मा है। यहां धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के साथ विकास के असीमित अवसर हैं। इस पावन भूमि पर भगवान राम, श्रीकृष्ण, महात्मा बुद्ध और कबीर जैसी महान विभूतियों ने जन्म लिया। प्रदेश में 500 साल बाद भगवान राम का भव्य मंदिर बना और प्रयाग में 144 वर्ष बाद महाकुम्भ हो रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। पर्यटन की दिशा में यूपी अग्रणी राज्य बनता जा रहा है। इसके साथ ही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गरीब कल्याण के कार्य हुए हैं। महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की दिशा में अभिनव कदम उठाए गये हैं, जो अन्य प्रदेशों के लिए प्रेरक बने हैं। आज यूपी अपने प्राचीन गौरव को बनाए रखने के साथ विकास के नये आयाम पर पहुंचा है। किसान, युवा और उद्यमी उत्तर प्रदेश के विकास के वाहक हैं।

फर्जी खबरें बड़ा ...

स्तर पर चुनावी प्रक्रियाओं की सुरक्षा करने में, बल्कि उनकी पहुंच और प्रभाव का विस्तार करने में भी चुनाव प्रबंधन निकायों की भूमिका का उल्लेख किया। सम्मेलन में 13 देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिनमें भूटान, जॉर्जिया, नामीबिया, उज्बेकिस्तान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, कजाकिस्तान, आयरलैंड, मॉरीशस, फिलीपीन, रूस, ट्यूनीशिया और नेपाल ने हिस्सा लिया। इन देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों के करीब 30 प्रतिनिधि शामिल थे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव ने कहा कि 2024 चुनौतियों और जटिलताओं के बीच लोकतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से एक निर्णायक साल था। इसमें दक्षता, पारदर्शिता और मतदाता विश्वास बढ़ाने में प्रौद्योगिकी और डिजिटल नवाचारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कुमार ने कहा कि 64 करोड़ 70 लाख मतदाताओं और दस लाख से अधिक मतदान केंद्रों की रिकॉर्ड भागीदारी के साथ यह चुनाव अधिक समावेशी भी थे। विशेष रूप से महिलाओं, 85 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों, विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) और तीसरे लिंग के बीच अधिक भागीदारी थी। भारत की ईवीएम का डंका कैसे विदेशों में बज रहा है। भूटान के मुख्य चुनाव आयुक्त दाशो सोनम टोपगे ने ईवीएम उपलब्ध कराने के लिए भारत को धन्यवाद दिया। इसके कारण भूटान के चुनाव में ईवीएम से आई प्रक्रिया दक्षता की सराहना की और कहा कि ईवीएम ने भूटान के लोगों का विश्वास जीता है। टोपगे ने डिजिटल आईडी पर भूटान का पक्ष रखते हुए कहा कि उनके देश के पास बायोमेट्रिक एकीकृत राष्ट्रीय आईडी है, जिसका उपयोग मतदाता प्रमाणीकरण के लिए किया जाता है। भूटान भविष्य के चुनावों में ऑनलाइन मतदान की संभावना तलाश रहा है। ठ्ठचुनावों के भविष्य पर विशेष सत्र आज...सम्मेलन में शुक्रवार को विभिन्न देशों में *चुनावों का भविष्य* विषय पर एक सत्र आयोजित किया जाएगा। इसका समापन *परिणाम दस्तावेज की घोषणा* के साथ होगा, जिसमें चुनावों में लोकतंत्रों के बेहतर तालमेल और मजबूती के लिए साझा प्रतिबद्धता को दर्शाया जाएगा।

अपमान का बदला...

पुलिस ने आरोपी छात्र को हिरासत में लिया और उसे थाने ले आई। आरोपी के पास से बम और चाकू भी बरामद किया। पुलिस ने देशी बमों को निष्क्रिय किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शुरूआती पूछताछ में आरोपी छात्र ने बताया कि उसे दूसरे छात्र ने अपमानित करने के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली थी। आरोपी छात्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज उसे बाल सुधर गृह भेजा गया है। घटना से स्कूल के छात्रों और उनके अभिभावकों में दहशत फैली हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, स्कूल में विभिन्न क्षेत्रों के सैकड़ों छात्र-छात्राएं पड़ते हैं। ऐसे में इस स्कूल में लंच ब्रेक के दौरान 11वीं कक्षा का एक छात्र अचानक हाथ में चाकू लेकर आ गया। उसने दूसरे छात्र पर हमला कर दिया, जिससे उसके हाथ में चोट लग गई। घटना से अचानक स्कूल में हड़कंप मच गया। अन्य छात्रों ने हमलावर छात्र को रोका। इसके बाद घबराए शिक्षकों ने छात्र से चाकू छीन लिया। साथ ही घायल छात्र को तुरंत स्कूल में प्राथमिक उपचार दिया गया। टीचरों ने बाद में दोनों के माता-पिता को सूचना दी। इस बीच, छात्र स्कूल में चाकू कैसे लाया, इसकी जांच कर रहे स्कूल प्रशासन ने हमलावर के स्कूल बैग की जांच की, जिसे देखकर सभी चौंक गए। उन्होंने देखा कि बैग में छह देशी बम थे। इससे हैरान स्कूल प्रबंधन ने रेड्यारपालयम पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और देशी विस्फोटकों को जब्त कर उसे निष्क्रिय कर दिया। इसके बाद छात्र से पूछताछ की गई। आरोपी छात्र ने बताया कि जिस छात्र पर हमला किया उसने उसको अपमानित करने के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली थी। उसने पुलिस को बताया कि वह मानसिक परेशानी से जूझ रहा था और उसने उससे बदला लेने की योजना बनाई थी। इसके तहत उसने बम तैयार किये और चाकू खरीदा था। छात्र ने अपनी गलती मानी है। पुलिस ने दो धाराओं में मामला दर्ज कर छात्र को बाल सुधार गृह भेज दिया है। इस बीच, घायल छात्र के किसी भी अभिभावक ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई।

बंगाल में चिकित्सकों ...

किया। दरअसल, पूर्वी बर्धमान के शक्तिगढ़ में स्वेतिपल्ली के एक युवक को पैर में चोट लगने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज से नाखुश मरीज के कुछ परिजन और दोस्तों ने कथित तौर पर अस्पताल के अधिकारियों के साथ बहस की। अस्पताल अधीक्षक शकुंतला सरकार ने बताया कि ड्यूटी पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने स्थिति को शांत करने की कोशिश की।

अहमदाबाद में मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने किया निवेश रोड शो का नेतृत्व

अहमदाबाद/गुवाहाटी (हिंस)। असम के पीएचईडी और शहरी मामलों के मंत्री जयंत मल्लबरुवा ने शनिवार को अहमदाबाद के होटल नोवोटेल में हाई-प्रोफाइल इन्वेस्टर्स रोड शो का नेतृत्व किया। यह रोड शो आगामी एडवांटेज असम 2.0: इन्वेस्टमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर समिट 2025 के प्रचार-प्रसार के लिए आयोजित किया गया, जो 25-26 फरवरी को गुवाहाटी में आयोजित होगा। मंत्री मल्लबरुवा ने 230 से अधिक निवेशकों, उद्यमियों और उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए असम को निवेश का एक प्रमुख केंद्र बताया। उन्होंने असम के रणनीतिक स्थान, दक्षिण-पूर्व एशिया के गेटवे के रूप में इसकी भूमिका, मजबूत बुनियादी ढांचे और तेल, प्राकृतिक गैस, चाय, कृषि और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में इसकी ताकत को रेखांकित किया। मंत्री ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सरकार द्वारा पेश किए गए प्रोत्साहनों और व्यापार अनुकूल

टाटा सेमीकंडक्टर परियोजना जैसे प्रयास असम की औद्योगिक संभावनाओं को प्रदर्शित करते हैं। मंत्री मल्लबरुवा ने कहा कि एडवांटेज असम 2.0 समिट का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के दृष्टिकोण के तहत असम को एक प्रमुख निवेश और औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। अहमदाबाद, जो उद्यमिता का प्रतीक है, में यह रोड शो सार्थक साझेदारियों को मजबूत करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। इस रोड शो में एफआईसीसीआई (गुजरात नीतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने असम के पर्यटन क्षेत्र की प्रगति पर भी जोर दिया, जो समृद्ध जैव विविधता, सांस्कृतिक धरोहर और स्थायी पर्यटन स्थलों से भरपूर है।

सशस्त्र बल झंडा दिवस कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। असम के सैनिक कल्याण निदेशालय में आज सशस्त्र बल झंडा दिवस कोष के कल्याण और पुनर्वास के लिए 5वीं कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष एमएस मणिवन्नन, आईएएस, आयुक्त एवं सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग, असम सरकार ने की। बैठक में समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे। ब्रिगेडियर पोलाश चौधरी, एसएम (सेवानिवृत्त), निदेशक, सैनिक कल्याण निदेशालय, असम और राज्य प्रबंध समिति के सदस्य सचिव ने एजेंडा प्रस्तुत किया। यह बैठक राज्य प्रबंध समिति के अध्यक्ष और असम के राज्यपाल की ओर से आयोजित की गई। सशस्त्र बल झंडा दिवस (संचित) कोष, जो पूर्व सैनिकों, युद्ध विधवाओं, युद्ध में विकलांगों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए एकत्र और उपयोग किया जाता है, पर चर्चा की गई। बैठक में सैनिक कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा और अनुमोदन किया गया।

कोकराझाड़ में मनाया गया राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025

कोकराझाड़ (हिंस)। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 आज कोकराझाड़ के नेहरू वोकेशनल हाई स्कूल, गोसाइनिचिना के मैदान में उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग (डब्ल्यूसीडी), दोतमा आईसीडीएस प्रोजेक्ट और संगठन संकल्प: हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन ने शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) के सहयोग से किया। यह कार्यक्रम बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) योजना की 10वीं वर्षगांठ को समर्पित था और किशोरियों के सशक्तिकरण व जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कोकराझाड़ की उपायुक्त (डीसी) मसंदा पार्टिन ने किया। इस अवसर पर एडीसी कविता डेका, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, डीटीओ, डीएलएसए, एएसआरएलएम और भारतीय डाक सेवा के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में किशोरियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। इनमें एनीमिया जांच, दंत चिकित्सा परीक्षण, और मासिक धर्म स्वच्छता के लिए सैनिटरी पैड का वितरण शामिल था। साथ ही, भारतीय डाक सेवा द्वारा आधार पंजीकरण

अभियान, किशोरी सेविका समूह का गठन, और सुकन्या समृद्धि योजना पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एएसआरएलएम) के तहत स्व-सहायता समूह (एसएचजी) उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें जैविक सब्जियां, मशरूम उत्पाद, पारंपरिक बोडो परिधान, और स्थानीय खाद्य पदार्थ शामिल थे। मिशन शक्ति के घटकों और हेल्पलाइन नंबरों से संबंधित जागरूकता सामग्री भी प्रदर्शित की गई। छात्रों को मासिक धर्म स्वच्छता के महत्व को समझाने के लिए *पीरियड एंड कमोर कथा* वीडियो की स्क्रीनिंग के साथ एक सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यसेविका, आंगनवाड़ी कर्मी (एडब्ल्यूडब्ल्यू), स्थानीय समुदाय, स्व-सहायता समूह (एसएचजी), स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के सदस्य, छात्र, शिक्षक, और आशा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

गणतंत्र दिवस पूर्वाभ्यास के चलते गुवाहाटी में मार्ग परिवर्तन

गुवाहाटी (हिंस)। 25 जनवरी को गणतंत्र दिवस पूर्वाभ्यास के दौरान लतासिल और पानबाजार क्षेत्र में आयोजित परेड को देखते हुए यातायात की सुचारू आवाजाही के लिए निम्नलिखित यातायात परिवहन योजना लागू की गई है। लतासिल मैदान से परेड शुरू होने पर भरलुमुख की ओर से एमजी रोड पर आने वाले वाहनों को मुख्य न्यायाधीश आवास बिंदु पर प्लेनेटेरियम बिंदु की ओर मोड़ दिया जाएगा। परेड के तयबुल्लाह बिंदु पार करने के बाद यह प्रतिबंध हटा दिया जाएगा। जिला पुस्तकालय बिंदु की ओर परेड बढ़ने पर एटी रोड से जीएनबी रोड पर पानबाजार की ओर आने वाले वाहनों को शनि मंदिर बिंदु की ओर और वहां से आयुक्त बिंदु तक एआरबी रोड के माध्यम से मोड़ दिया जाएगा। केएलबी रोड पर परेड के एनबी हॉल बिंदु की ओर बढ़ने पर जीएनबी रोड पर टीसी स्कूल बिंदु से आने वाले वाहनों को जिला पुस्तकालय बिंदु पर आरबीआई बिंदु की ओर मोड़ दिया जाएगा। एनबी हॉल बिंदु पार करने पर जैसे ही परेड आयुक्त बिंदु की ओर बढ़ेगी, उपरोक्त दो प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे। पुराने डीसी ऑफिस बिंदु पर परेड पहुंचने पर भरलुमुख की ओर से आने वाले वाहनों को कॉटन कोलेजिएट रोड बिंदु पर एचबी रोड की ओर मोड़ दिया जाएगा। केएलबी रोड पर जिला पुस्तकालय की ओर से आने वाले वाहनों को एनबी हॉल बिंदु पर एचबी रोड के आयुक्त बिंदु की ओर मोड़ा जाएगा। राजभवन/उजानबाजार की ओर से आने वाले वाहनों को प्लेनेटेरियम बिंदु पर आमबारी की ओर लैम्ब रोड के माध्यम से मोड़ा जाएगा। परेड के लतासिल मैदान में प्रवेश करने के साथ ही सभी प्रतिबंध समाप्त कर दिए जाएंगे।

शिवसागर में 75,000 यूनिट रक्तदान से गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने की तैयारी

शिवसागर (हिंस)। रक्तदान को सबसे बड़ा दान मानते हुए अखिल भारतीय औषधि व्यवसायी संघ (एआईओसीडी) ने राष्ट्रीय स्तर पर एक विशाल रक्तदान कार्यक्रम आयोजित किया है। इसी के तहत शिवसागर में भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। एआईओसीडी के 50वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में 75 हजार यूनिट रक्तदान का लक्ष्य तय किया गया है। इसके माध्यम से विश्व रिकॉर्ड बनाने की योजना है। राज्य के शिवसागर जिले के जयदयाल खेमका मातृ सेवा सदन में आज सुबह से रक्तदान शिविर चल रहा है। आयोजकों ने बताया कि इस अभियान से हजारों यूनिट रक्त संग्रह करने का लक्ष्य रखा गया है।

गुवाहाटी के मठघरिया में सनसनीखेज हत्या

गुवाहाटी (हिंस)। गुरुवार की देर रात राजधानी के नूनमाटी थानाक्षेत्र के मठघरिया में एक भीषण मारपीट की घटना हुई। इस घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान मठघरिया निवासी उदय राय चौधरी उर्फ बापन (45) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि गुरुवार की आधी रात को मठघरिया के संहति पथ पर उदय राय चौधरी (बापन) और राजा बसुमतारी एक साथ शराब पी रहे थे। इस दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया और झगड़ा बढ़ गया। माना जा रहा है कि शराब के नशे में धुत राजा बसुमतारी ने एक लोहे की छड़ से उदय राय चौधरी पर हमला कर दिया। इस हमले में बापन गंभीर रूप से घायल हो गया और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद नूनमाटी पुलिस ने आरोपी राजा को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ जारी है। पुलिस ने मामले की तहकीकात शुरू कर दी है और घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर सदमा और गुस्सा है और उन्होंने त्वरित न्याय की मांग की है।

मोबाइल टावर पर चोरी के इरादे से चढ़े तीन चोर गिरफ्तार

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के दरंगिरी पुलिस चौकी की टीम ने मोबाइल टावर पर चोरी के इरादे से चढ़े तीन चोरों को स्थानीय लोगों की मदद से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि आज तड़के सुबह घने कोहरे का फायदा उठाते हुए तीन चोर मोबाइल टावर पर चोरी करने के इरादे से चढ़ गए। चोर मोबाइल टावर पर चढ़कर मोबाइल टावर का सामान चुरा रहे थे। इसकी जानकारी स्थानीय लोगों को मिली तो। टावर के पास लोगों की भारी भीड़ एकत्र हो गयी। स्थानीय लोगों ने मोबाइल टावर के नीचे सुबह तक कोहरा हटने तक पहरा दिया। कोहरा हटाने के बाद जैसे ही स्थानीय लोगों ने तीनों चोरों को टावर से उतारने के लिए काफी मशक्कत की। लेकिन तीनों चोर टावर से नहीं उतरे। घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गयी। मौके पर पहुंची दरंगिरी पुलिस चौकी की टीम ने तीनों चोरों को मोबाइल टावर से नीचे उतरा। चोरों के नीचे उतरते ही स्थानीय लोगों ने उनकी जमकर पिटाई की। स्थानीय लोगों ने बताया है कि चोरों को यह भली-भांति पता था कि अगर वे पुलिस की गैरमौजूदगी में निचे उतरे तो लोग उनकी बुरी तरह से पिटाई करेंगे। इसलिए चोरों ने पुलिस के आने का इंतजार किया। मोबाइल टावर से सामान चुराने के आरोप में पुलिस ने तीनों चोरों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार चोरों की पहचान बाबुल अली, हसन अली और सनीदूल हक के रूप में की गई है। गिरफ्तारा तीनों आरोपी कामरूप (ग्रामीण) जिले के नगरबेरा के रहने वाले बताए गए हैं। स्थानीय लोगों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार चोरों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

पूरे देशक के साथ बंगाईगांव केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने भी रक्तदान शिविर आयोजित किया

बंगाईगांव। बंगाईगांव केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन द्वारा 24 जनवरी को मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन माजगांव स्थित सरकारी अस्पताल में किया गया। जहां अच्छी संख्या में सदस्यों ने रक्तदान किया। ज्ञात हो कि अखिल भारतीय केमिस्ट्री एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के स्वर्णिम वर्ष में तथा वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जगन्नाथ शिंदे के 75वें जन्मोत्सव के उपलक्ष में रक्तदान शिविर का पूरे भारतवर्ष में आयोजन किया गया है। पूरे भारतवर्ष में कुल 75 हजार यूनिट रक्त संग्रह करने का लक्ष्य है। बंगाईगांव जिले के स्वास्थ्य सेवाओं के संयुक्त निर्देशक डॉ. बलेन्द्र नारायण डेका ने इस रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित डॉ. बलेन्द्र नारायण डेका, अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर कौशीर अली अहमद, ब्लड बैंक के संयोजक डॉक्टर दारा सिंह राय, जिला औषधि निरीक्षक तसलीमा जहांन को फूलोंम गमछा से सम्मानित किया गया। संगठन के अध्यक्ष अरुप

कुमार मल्लिक ने सभी का स्वागत किया। संगठन के कोषाध्यक्ष महेश कुमार अग्रवाल द्वारा सर्वप्रथम रक्तदान कर शिविर की शुरुआत की गई। इस अवसर पर सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र, फूलोम गमछा के अलावा उपहार भी दिया गया। इस अवसर पर बंगाईगांव के ज्ञानचंद जैन को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने अभी तक 115 बार रक्तदान कर पूर्वोत्तर में अग्रणी है। संगठन के उपाध्यक्ष परमानंद पाटगिरि द्वारा रक्तदान के सफल मार्गदर्शन के लिए संगठन के अध्यक्ष अरुप कुमार मल्लिक का भी फूलोंम गमछा से स्वागत किया गया। संयुक्त सचिव सुशांत दत्ता ने शिविर को सुचारू रूप से सफल करने के लिए सभी को धन्यवाद दिया। रक्तदान शिविर को सफल करने में बंगाईगांव केमिस्ट्री एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के सभी सदस्यों ने सक्रिय सहयोग दिया। स्वास्थ्य सेवा के संयुक्त निर्देशक ने रक्तदान के लिए दवा विक्रेताओं की संस्था के सदस्यों को हार्दिक धन्यवाद दिया।

रंगिया : यूक्लिड सीनियर सेकेंडरी स्कूल का शुभकामना बैठक आयोजित

रंगिया (विभास)। रंगिया के अग्रणी उच्चतर माध्यमिक स्तरीय शिक्षण संस्थान यूक्लिड सीनियर सेकेंडरी स्कूल की द्वितीय वार्षिक कक्षा की बधाई बैठक बृहस्पतिवार को आयोजित की गई। बैठक में शिक्षाविद पंकज पल्लव शर्मा उपस्थित रहे जिन्होंने उच्चतर माध्यमिक अंतिम परीक्षा में बैठने वाले छात्र छात्राओं को आशीर्वाद प्रदान करते हुए बिना हिचकिचाहट के साथ परीक्षा में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने अपने भाषण कहा कि शिक्षा जीवन में एक अच्छे इंसान के रूप में स्थापित होने का पहला और एकमात्र साधन है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता संपन्न व्यक्ति को हर क्षेत्र में हमेशा अग्राधिकार मिलता है, इसलिए हमें गुणवत्ता संपन्न बनना जरूरी है। बैठक की शुरुआत स्कूल के छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए स्कूल

के थीम गीत से हुई और इस मौके पर स्कूल के प्रबंध निदेशक रेकिब अहमद ने छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ पुरस्कारों की घोषणा की। उन्होंने विद्यार्थियों के उत्तरदायित्व एवं कर्तव्य पर भी वव्याख्या की। बैठक में विषय शिक्षक सुमन अहमद ने भाग लेते हुए छात्रों से नौकरी उन्मुख नहीं बल्कि अच्छे नागरिक बनने का आग्रह किया। बैठक में सहायक निदेशक रेहेना अहमद, प्रमुख शिक्षाविद एमडी गुलफाम, प्रमुख वकील तथा पत्रकार सैयद मुस्तफा अहमद, विषय शिक्षक देवजीत कलिता, फिदुस खान, दीप ज्योति कलिता, भास्वती डेका, दुष्मंत रामसियारी, साक्षी जेईन, दीपामणि डेका उपस्थित उपस्थित रहे जिन्होंने भाषण प्रदान किया। कार्यक्रम की मेजबानी विषय शिक्षक मोक्ताधि कलिता ने की और कार्यक्रम के दौरान छात्र छात्राओं ने गीत नृत्य आदि की प्रस्तुति दी।

मातृभारती, बालिका शिक्षा और शिशु वाटिका के तत्वावधान में भव्य मातृ सम्मेलन का आयोजन

गुवाहाटी (हिंस)। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के तत्वावधान में 31 जनवरी को गुवाहाटी के सोरुसजाई स्टेडियम में मातृभारती, बालिका शिक्षा, और शिशु वाटिका की पहल पर एक भव्य मातृ सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में शंकरदेव शिशु/विद्या निकेतन के विद्यार्थियों की माताओं समेत उत्तर असम प्रांत की लगभग 5000 माताओं की भागीदारी होगी। इस सम्मेलन में मातृभारती, बालिका शिक्षा और शिशु वाटिका जैसे विषयों पर चर्चा होगी। साथ ही, लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर उनके जीवन और कार्यों पर विशेष चर्चा आयोजित की जाएगी। मुख्य अतिथि के रूप में असम सरकार की युवा और खेल मंत्री नंदिता गार्लोसा और अरुणाचल प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री डाचांगलु पुल कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगी। विद्या भारती अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री जतींद्र शर्मा, राष्ट्र सेविका समिति की प्रांत कार्यवाहिका रिम्की भगवती और अखिल भारतीय सह कार्यवाहिका सुनीता हल्देकर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। शिशु शिक्षा समिति, असम के प्रचार सचिव मुकुटेश्वर गोस्वामी ने बताया कि सम्मेलन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

चिरांग परेड ग्राउंड में सड़क सुरक्षा पर नाटक का प्रदर्शन किया गया

विकसित भारत समाचार

चिरांग। आज काजलगांव के परेड ग्राउंड में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा सड़क सुरक्षा पर नाटक का प्रदर्शन किया गया। यह कार्यक्रम 1 से 31 जनवरी, 2025 तक मनाए जाने वाले राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के लिए एक बड़ी पहल का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाना और सड़कों पर जिम्मेदार व्यवहार को प्रोत्साहित करना था। नाटक में आकर्षक और मनोरंजक प्रदर्शनों के माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डाला गया, जिसमें सुरक्षित सड़क प्रथाओं को अपनाने के बारे में महत्वपूर्ण संदेश दिए गए। चिरांग जिला आयुक्त जतिन बोरा, एडीसी फिरदौस आलम शेख, जिला प्रशासन के अधिकारी और विभिन्न विभागों के प्रमुख सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने में सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर जोर देने के लिए मौजूद थे। कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों और छात्रों सहित विविध दर्शकों ने भाग लिया, जिन्होंने सक्रिय रूप से भाग लिया।

बालिका सशक्तिकरण : राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 ने भारत भर में सामूहिक प्रयासों को प्रेरित किया

गुवाहाटी। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 ने लैंगिक समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित किया। इस अवसर पर पूरे देश में संगठनों, नीति निर्माताओं और समुदायों ने बालिकाओं के अधिकारों की वकालत करने के लिए एक जुट होकर कार्य किया। इस वर्ष का विषय, *बालिका सशक्तिकरण* एक बेहतर कल के लिए समान अवसरों का निर्माण, बालिकाओं के सामने आनेवाली बाधाओं को दूर करने और उनके लिए एक ऐसा वातावरण बनाने का आह्वान करता है जिसमें वे उन्नति कर सकें। यह कार्यक्रम एएससीपीसीआर के सहयोग से आसाम के गुवाहाटी में आयोजित किया गया थ और बाल रक्षा भारत (बीआरबी) और विभिन्न सरकारी तथा गैर-सरकारी भागीदारों के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, संरक्षण और बालिकाओं के लिए समान अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न क्षेत्रों की बालिका चैंपियंस की आवाजों को मंच दिया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास के विशेषज्ञों की पैनल चर्चा आयोजित किया गया। पैनल चर्चा के निष्कर्ष इस प्रकार हैं। बालविवाह:

23.3 प्रतिशत महिलाएं (20-24 वर्ष) 18 वर्ष की कानूनी उम्र से पहले शादी शुदा थीं। किशोर गर्भावस्था: 15-19 वर्ष की 6.8 प्रतिशत किशोरियां मां बन चुकी हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है। शिक्षा: महिला साक्षरता दर 71.5 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, लेकिन ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में ड्रॉप आउट दर अभी भी चिंता का विषय है। लैंगिक आधारित हिंसा: महिलाओं और बालिकाओं के खिलाफ हिंसा के मामले अब भी चिंताजनक स्तर पर हैं, जिनमें से कई मामले रिपोर्ट ही नहीं होते। ये आंकड़े बालिकाओं को सशक्त बनाने और उनके सामने मौजूद लैंगिक असमानताओं को दूर करने के लिए व्यापक हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। बाल रक्षा भारत (बीआरबी) ने 22 राज्यों में विभिन्न सरकारी विभागों के साथ मिलकर शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और बालिकाओं की सुरक्षा में अंतरालको पाटने के लिए अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। सामुदायिक आधारित कार्यक्रमों, युवा-नेतृत्ववाली पहलों और क्षमता निर्माण के माध्यम से, बीआरबी परिवारों, स्थानीय नेताओं और सरकारी निकायों के साथ मिलकर उन सामाजिक मानदंडों को चुनौती देता है जो बालिकाओं के विकास में बाधा डालते हैं। कार्यक्रम में बोलते हुए, बाल रक्षा भारत के प्रोग्राम इंप्लीमेंटेशन हेड, प्रदीप मिश्रा ने कहा कि हमारे देश का भविष्य हमारी बेटियों के सशक्तिकरण पर निर्भर करता है। उनकी सुरक्षा, शिक्षा और अवसरों को सुनिश्चित करके, हम एक मजबूत और अधिक न्यायपूर्ण समाज की दिशा में कदम बढ़ाते हैं। आइए हम इस दृष्टि को वास्तविकता बनाने के लिए मिलकर काम करें।

हेरोइन समेत दो तस्कर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के जुरिया पुलिस थाना क्षेत्र से पुलिस ने भारी मात्रा में हेरोइन समेत दो तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर जुरिया थाना के ओसी डीएसपी संदीपन गर्ग के नेतृत्व में एक टीम ने मादक द्रव्य विरोधी अभियान चलाया। अभियान के दौरान पुलिस ने 50.62 ग्राम हेरोइन बरामद किया। हेरोइन को 05 साबुनदानी के डिब्बों में छिपा कर रखा गया था। इस मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई जारी रखे हुए है।

संपादकीय

जलवायु संधि

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पदभार संभालते ही ताबड़तोड़ फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। बतौर राष्ट्रपति पहले ही दिन ट्रंप ने पेरिस जलवायु संधि से अलग होने का निर्णय ले लिया है। अमरीका अब विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का सदस्य भी नहीं रहेगा। अमरीका में अब जन्मजात नागरिकता का अधिकार लागू नहीं होगा। अब तक यहां जन्म लेने के साथ ही शिशु को नागरिकता मिल जाती है। ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन से जुड़े पेरिस समझौते से हटने के लिए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए कहा है कि 'मैं तुरंत पेरिस जलवायु संधि से हट रहा हूं, क्योंकि अमरीका अपने उद्योगों को उस स्थिति में हानि नहीं पहुंचाएगा, जब अन्य देश बेखौफ होकर प्रदूषण फैला रहे हों।' याद रहे ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल 2017 में भी इस संधि से देश को अलग कर लिया था। परंतु जो बाइडेन के राष्ट्रपति बनने के बाद अमरीका फिर इसमें शामिल हो गया था। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बचने के लिए वैश्विक तापमान को पूर्व औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के उद्देश्य से दुनिया के 175 देशों ने यह हस्ताक्षरित समझौता किया हुआ है। अब अमरीका के एक बार फिर से अलग हो जाने से दुनिया में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की पहल को झटका लगेगा। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्यालय में 2015 में हुए ऐतिहासिक पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौते को बड़ा झटका लगा है। इस समझौते पर भारत-चीन सहित 175 देशों ने हस्ताक्षर किए थे। यदि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुए समझौतों को ट्रंप जैसे लोग अपनी आत्मकेंद्रित दृष्टि के चलते खारिज करने लग जाएंगे तो न तो भविष्य में संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थाओं का कोई महत्व रह जाएगा और न ही वैश्विक समस्याओं पर आगे कोई सहमति बन पाएगी। इस नाते अमरीका का इस वैश्विक करार से बाहर आना दुनिया के सुखद भविष्य के लिए बेहतर संकेत नहीं है। जबकि अमरीका सबसे ज्यादा प्रदूशषण फैलाने वाले देशों में प्रमुख है। राष्ट्र संघ को अमरीका के डब्ल्यूएचओ से बाहर हो जाने पर भी बड़ा झटका लगेगा, क्योंकि प्राकृतिक आपदा और युद्ध की स्थिति में प्रभावित लोगों को आर्थिक मदद, भोजन और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में अमरीका यूएन को बड़ी मदद करता रहा है। इस करार से अमरीका का बाहर आना समूचे विश्व के लिए अशुभ है। अपने औद्योगिक हितों की चिंता और चुनावी वादे की सनक पूर्ति के लिए ट्रंप ने यह पहल की है। दरअसल ट्रंप अमरीकी कंजरवेटिव पार्टी के उस धड़े से सहमत रहे हैं, जो मानता है कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ता वैश्विक तापमान एक थोथी आशंका है। इसीलिए ये लोग कार्बन उत्सर्जन में कटौती से अमरीका के औद्योगिक हित प्रभावित होने की पैरवी करते रहे हैं। इस गुट की इन्हीं धरणाओं के चलते ट्रंप ने चुनाव में 'अमेरिका फस्ट' और 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' का नारा दिया था। इस फैसले से मुकर जाने के कारण दुनियाभर में ट्रंप की निंदा हो रही है। दरअसल ट्रंप की इस आत्मकेंद्रित मानसिकता का तभी अंदाजा लग गया था, जब भारत और चीन पर आरोप लगाया था कि इन दोनों देशों ने विकसित देशों से अरबों डॉलर की मदद लेने की शर्त पर समझौते पर दस्तखत किए हैं। लिहाजा यह समझौता अमरीका के आर्थिक हितों को प्रभावित करने वाला है। ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में यहां तक कहा था कि संयुक्त राष्ट्र की 'हरित जलवायु निधि' अमरीका से धन हथियाने की साजिश है।

अमरीका अब विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का सदस्य भी नहीं रहेगा। अमरीका में अब जन्मजात नागरिकता का अधिकार लागू नहीं होगा। अब तक यहां जन्म लेने के साथ ही शिशु को नागरिकता मिल जाती है। ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन से जुड़े पेरिस समझौते से हटने के लिए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए कहा है कि 'मैं तुरंत पेरिस जलवायु संधि से हट रहा हूं, क्योंकि अमरीका अपने उद्योगों को उस स्थिति में हानि नहीं पहुंचाएगा, जब अन्य देश बेखौफ होकर प्रदूषण फैला रहे हों।' याद रहे ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल 2017 में भी इस संधि से देश को अलग कर लिया था। परंतु जो बाइडेन के राष्ट्रपति बनने के बाद अमरीका फिर इसमें शामिल हो गया था। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से बचने के लिए वैश्विक तापमान को पूर्व औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के उद्देश्य से दुनिया के 175 देशों ने यह हस्ताक्षरित समझौता किया हुआ है। अब अमरीका के एक बार फिर से अलग हो जाने से दुनिया में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की पहल को झटका लगेगा।

नई सरकार बनी जिस पर आरोप था कि वह अमेरिका की समर्थक है

अफगानिस्तान में पश्तूनावली की चेतना

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

अफगानिस्तान पर रूस के हमले ने पाकिस्तान की स्थिति प्रासंगिक बना दी थी। अमेरिका को हर हालत में मध्य एशिया के इस अंतिम देश, जो अभी तक रूस की छत्रछाया में आने से बचा हुआ था, उसको रूस की इस प्रेतछाया से मुक्त करना था। उसे इसके लिए पाकिस्तान का साथ चाहिए था। उसके लिए अमेरिका ने पैसा और हथियार दिया और पाकिस्तान ने पश्तूनों (पठानों) को नए हथियारों का प्रशिक्षण दिया। तालिबान के नाम से पश्तून योद्धाओं की एक नई पौध तैयार हो गई।

अफगानिस्तान की सरकार को किसी भी देश की सरकार ने मान्यता नहीं दी है। चीन सरकार पिछले कुछ अरसे से जरूर उससे पींगे बढ़ा रही थी। पाकिस्तान पिछले लंबे अरसे से अफगानिस्तान को अपने इलाके का पिछवाड़ा मान कर उसके साथ व्यवहार कर रहा था। उसका प्रमुख कारण अफगानिस्तान की भू-राजनीतिक स्थिति कही जा सकती है। अफगानिस्तान पर रूस के हमले ने पाकिस्तान की स्थिति प्रासंगिक बना दी थी। अमेरिका को हर हालत में मध्य एशिया के इस अंतिम देश, जो अभी तक रूस की छत्रछाया में आने से बचा हुआ था, उसको रूस की इस प्रेतछाया से मुक्त करना था। उसे इसके लिए पाकिस्तान का साथ चाहिए था। उसके लिए अमेरिका ने पैसा और हथियार दिया और पाकिस्तान ने पश्तूनों (पठानों) को नए हथियारों का प्रशिक्षण दिया। तालिबान के नाम से पश्तून योद्धाओं की एक नई पौध तैयार हो गई। इसकी तैयारी और प्रशिक्षण में इस्लाम को केन्द्र बनाया गया। यानी रूस के हमले से अफगानिस्तान खतरे में पड गया है। किसी ने यह सवाल नहीं पूछा कि अफगानिस्तान में इस्लाम की रक्षा के लिए आखिर अमेरिका इतना व्याकुल क्यों है? खैर, रूस ने तो अफगानिस्तान को छोड़ दिया। फिर नई सरकार बनी जिस पर आरोप था कि वह अमेरिका की समर्थक है। तालिबान के प्रशिक्षण में जो पाठयक्रम पढ़ाया गया था, उसमें देश की रक्षा के साथ-साथ इस्लाम की रक्षा के भी अध्याय थे। अमेरिका जिस पश्चिमी सभ्यता का रहनुमा है, वह इस्लाम विरोधी है, इसकी भनक भी तालिबान को अब तक लग चुकी थी। इसलिए तालिबान का नया निशाना नई सरकार ही थी। अमेरिका को यह नई सरकार बनानी ही थी ताकि उसका वर्चस्व अफगानिस्तान में बना रहे।

उसे इस देश को नियंत्रण में रखना था, जहां तीन साम्राज्य भारत, चीन और रूस मिलते हैं। अब उसे फिर पाकिस्तान की जरूरत थी। इस बार अफगानिस्तान के शहरों में केवल अमेरिका की फौजें ही नहीं थीं, बल्कि उसके साथ अमेरिका के सहयोगी यूरोप

के अन्य देशों की फौजें भी थीं। पाकिस्तान की स्थिति और भी प्रासंगिक हो गई। वह ओसामा बिन लादेन को छिपा भी रहा था और मरवा भी रहा था। तालिबान को भी पाकिस्तान की जरूरत थी। अमेरिका को तो थी ही। लेकिन इस लम्बी लड़ाई में जब हर रोज अमेरिकी सैनिकों के ताबूत वाशिंगटन डीसी में पहुंचने लगे तो अमेरिका के लोग ही नक्शे में अफगानिस्तान की तलाश करने लगे और उसे अमेरिका से इतनी दूर देख कर सवाल करने लगे कि आखिर इतने दूर के देश में हम अपने जिंदा सैनिकों को लाशें में, क्या प्राप्त करने के लिए तबदील कर रहे हैं? इस सवाल का जवाब सरकार के लिए आम जनता को देना मुश्किल था। जब जवाब देना मुश्किल हो गया तो 'सैम अंकल' ने पश्तूनों के देश से निकल आने का ही फैसला कर लिया। जाहिर है वे सत्ता तालिबान को सौंप कर ही आते। तालिबान से समझौता करने में फिर पाकिस्तान की जरूरत थी। अपने सारे हथियार वहीं छोडक़र अमेरिका तो 2021 में काबुल से चला गया। अब राष्ट्रपति अब्दुल गनी की सरकार और तालिबान की सेना आमने-सामने थी। जाहिर है पाकिस्तान तालिबान के साथ था या यूं कहा जा सकता है कि वह अब्दुल की सरकार को उखाडक़र पाकिस्तान समर्थक सरकार बनाने का प्रयास कर रहा था। अगस्त 2021 में अब्दुल गनी को भागना पड़ा और काबुल में तालिबान की सरकार बन गई, जिसे पाकिस्तान गलती से अपनी सरकार मानने लगा। अपनी सरकार यानी भारत विरोधी सरकार। दरअसल काबुल की सरकार को वह अपनी सरकार दो कारणों से मान रहा था। पहला कारण तो यह था कि पाकिस्तान ने तालिबान का निर्माण किया था और दूसरा यह कि तालिबान भी इस्लाम की रक्षा के लिए लड़ रहा था और पाकिस्तान का तो जन्म ही इस्लाम की रक्षा के लिए हुआ था। सब देशों ने अपने दूतावास काबुल में बंद कर दिए। भारत ने प्रतीकात्मक रूप से अपना दूतावास बनाए रखा। इस आकलन में इस्लामाबाद शायद एक भूल कर गया। वह भूल डूरंड रेखा को न समझ पाने की थी। ब्रिटिश सरकार भारत से जाने और विभाजित करने से पहले अफगानिस्तान और भारत के मध्य में एक रेखा खींच गई थी, जिसे डूरंड रेखा कहा जाता है। लेकिन पश्तून इस डूरंड रेखा के दोनों ओर रहते हैं। अंग्रेजों के भारत में आने से पहले यह डूरंड रेखा नहीं थी, पश्तून पूरे देश में घूमते थे। कुछ सौ साल पहले इस्लाम स्वीकार करने के बावजूद उनकी सांस्कृतिक चेतना नहीं बदली थी। लेकिन डूरंड रेखा ने उनको बांटने की कोशिश की। इतना ही नहीं, उसके बाद पाकिस्तान बना कर उन्हें हिंदुस्तान से काट दिया। अब तक के पश्तूनों के हुए सबसे बड़े नेता खान अब्दुल गफ्फार खान, अंग्रेजों की इसी राजनीतिक गुंडागर्दी से लड़ते रहे थे। 1947 के बाद भी उन्होंने पाकिस्तान को स्वीकार नहीं किया, इसलिए पाकिस्तान की जेलों में सड़ते रहे। वे इस्लाम मजहब के पैरोकार होने के बावजूद पश्तूनों की सांस्कृतिक चेतना से नहीं टूट सके।

एक बार मैंने एक पश्तून छात्र से पूछा था, जब आपके यहां दो फरीकों में झगड़ा होता है तो जिरगा (न्याय करने के लिए बैठी पंचायत) में न्याय शरीयत से किया जाता है? शरीयत को वह छात्र इस्लामिक कानून कह रहा था। उसने कहा, न्याय करने से पहले दोनों पार्टियों से पूछ लिया जाता है कि वे निर्णय इस्लामिक कानून से चाहते हैं या पश्तूनावली से। फिर उसी के हिसाब से फैसला होता है।

दृष्टि कोण

दिल्ली में मुफ्त चुनावी उपहारों के शोर में असल मुद्दे दब कर रह गये हैं

अक्सर आपने देखा होगा कि किसी राज्य में विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक और सामाजिक समीकरण हावी हो जाते हैं लेकिन देश की राजधानी दिल्ली में हालात एकदम अलग हैं। विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली में राजनीतिक चर्चा में ''मुफ्त उपहारों'' की चर्चा हावी है जिससे प्रदूषण, कानून व्यवस्था, महिलाओं के खिलाफ अपराध और बुनियादी ढांचा सहित अन्य प्रमुख मुद्दे पीछे रह गए हैं। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी मुफ्त बिजली, पानी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और महिलाओं के लिए निःशुल्क सार्वजनिक परिवहन पहल पर जोर देते हुए ''रेवड़ी पर चर्चा'' जैसे अभियानों का नेतृत्व कर रही है। इसने नयी योजनाओं की भी घोषणा की है, जिनमें महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपये देने के वादे के साथ मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना और

बुजुर्गों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य देखभाल संबंधी संजीवनी योजना शामिल है।

कांग्रेस ने जवाब में 'प्यारी दीदी योजना' की घोषणा की है जिसके तहत महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये देने की बात कही गई है। इसने 25 लाख रुपये तक की बीमा कवरेज का वादा करते हुए 'जीवन रक्षा योजना' की घोषणा भी की है। वहीं भाजपा ने भी अपने संकल्प पत्र के दो चरण अब तक जारी किये हैं जिनमें हर वर्ग के लिए योजनाओं की भरमार है। देखा जाये तो इन मुफ्त योजनाओं को एक बार 'मुफ्त की रेवड़ी' करार देने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी दिल्ली के लोगों को आश्वस्त करना पड़ा है कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो इस तरह की योजनाएं जारी रखी जाएंगी।

इस बीच, मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहारों की घोषणाओं के चलते दिल्ली में वायु प्रदूषण जैसा महत्वपूर्ण मुद्दा गौण हो गया है। हालांकि राजधानी के ज्यादातर निवासियों ने गंभीर स्वास्थ्य खतरा बने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए ठोस कार्य योजनाओं की कमी पर चिंता जताई है। हम आपको बता दें कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) पिछले साल नवंबर में 490 के अंक को पार कर गया, जो ''अत्यंत गंभीर'' श्रेणी में आता है। जहरीली हवा के कारण अनेक लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, यमुना नदी में अमोनिया के उच्च स्तर के कारण पूरे शहर में पानी की कमी भी देखी गई क्योंकि जलशोधन संयंत्र पानी का शोधन करने में असमर्थ थे। यही नहीं, खराब जल निकासी के चलते दिल्ली के राजेंद्र नगर स्थित एक कोचिंग सेंटर में तीन यूपीएससी अभ्यर्थियों की डूबने से मौत को लेकर राष्ट्रीय राजधानी में आक्रोश देखा गया था। बहरहाल, देखा जाये तो मुफ्तखोरी की संस्कृति को बढ़ावा देने की वजह से शासन एवं नीति-निर्माण पंगु हो गये हैं। अपने अब तक के कार्यकाल में आम आदमी पार्टी की सरकार ने रोजगार सृजन और संविदा कर्मचारियों के लिए समाधान खोजने जैसे अन्य प्रमुख मुद्दों की अनदेखी की है। आम आदमी पार्टी ने मुफ्त योजनाओं की जो आदत जनता को लगाई है उसको देखते हुए अन्य पार्टियां भी इसी नीति पर चलती नजर आ रही हैं। यह नीति राजनीतिक दलों को सत्ता तो दिला देगी लेकिन सरकारी खजाने को और राज्य की आर्थिक सेहत को खासा नुकसान पहुँचाएगी। यहां सवाल यह भी उठता है कि हम 2047 तक भारत को विकसित बनाने की बात कर रहे हैं लेकिन जब देश की राजधानी ही विकसित नहीं होगी तो यह लक्ष्य आखिर कैसे हासिल होगा।

कुछ अलग

मुझे पुरस्कार मिल जाए तो...

प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद यदि मुझे पुरस्कार मिल जाए तो मेरे लिए अत्यंत हर्ष की बात होगी। परंतु यह हर्ष नितांत मेरा होगा। काश! इसमें मेरे समानधर्मा साहित्यकार और सगे-सम्बन्धी भी शामिल होते। वैसे साहित्य सेवा करते हुए मुझे तीस वर्ष का लंबा समय बीत गया है, अतः कोई भी संस्था-अकादमी चाहे तो मुझे अपने पुरस्कार-सम्मान से नवाज सकती है। परंतु बात वही है कि मुझे पुरस्कार मिल जाए तो यह अनहोनी साहित्य जगत को पचाना मुश्किल हो जाएगा। बिना पुरस्कार प्राप्त किए ही जब मेरे समकालीन समानधर्मा साहित्यकार मुझसे दुःखी रहते हैं, तो यदि कोई लक्खी पुरस्कार मिल गया तो वह राशि उनके कष्टों के साथ-साथ मेरे व्यक्तिगत कष्टों में कई गुणा वृद्धि करने के लिए जिम्मेदार नहीं होगी? एक बार मुझे एक स्थानीय संस्था ने मात्र माला पहनाकर तालियां बजवाई थी, उसमें भी मेरी खासी आलोचना हुई थी। लोगों ने इसे प्रायोजित कार्यक्रम बताया था। साहित्यकारों के घरों में कई दिनों तक मातमी धुनें बजती रही थीं। दरअसल मैं ठहरा अपनी धुन का साहित्यकार। थोड़ा रिजर्व नेचर का होने से समानधर्मा मुझे अहंकारी और घमंडी मानने लगे हैं। उन्होंने मुझे व्यावसायिक लेखक होने का तोहफा दिया है। जबकि मैं देश की उन्हीं पत्र-पत्रिकाओं में लिखता रहा हूं, जिनमें वे लोग लिखते हैं। फर्क इतना-सा है कि वे लिखने में थोड़ा शिथिल हैं, जबकि मैं गतिमान हूं। मेरा यही गतिमान होना ही मुझे अलग-थलग छोड़ देने का मुख्य कारण है। कोई मुझसे मिलना नहीं चाहता, बोलना नहीं चाहता और यहां तक कि वे मुझे अपने गुटों में घुसने नहीं देते। इतनी डरावनी परिस्थितियों में यदि मुझे पुरस्कार मिल जाए तो असंख्य आपत्तियां और विपत्तियां उठ खड़ी हो सकती हैं। मुझे ही क्या, पुरस्कार देने वाली संस्था-अकादमी को भी नहीं बख्शा जाएगा। संस्था कार्यक्रम करेगी तो मेरे परिवारजनों के अलावा समारोहों में आएगा कौन? मुझे पता है वह समय मेरे लिए न सही, उस संस्था के लिए कितना अपमानपूर्ण होगा। साहित्य का पुरस्कार हो और उसमें साहित्यकार ही सम्मिलित न हों तो उस पुरस्कार की महत्ता क्या रह जाती है? कल्पना के घोड़े जब मेरे पुरस्कार लेने के मामले में दौड़ता हूं तो अशुभ ज्यादा दिखाई देता है। मैं तो काली सूची में हूं ही, वह सम्मानीय संस्था भी इसी श्रेणी में घोषित की जा सकती है। इसीलिए ज्यादातर मुझे यही लगता रहता है कि मुझे साहित्य का पुरस्कार नहीं मिल सकता। इसीलिए मैंने पुरस्कार मिलने पर 'तो' लगाया है। वैसे लिखने-पढने और काम के आधार पर तो मुझे पुरस्कार न्यायोचित हो सकता है, लेकिन साहित्यगत में मेरी स्थिति सर्वथा भिन्न होने से पुरस्कार मिलना बहुत दुःखद घटना के रूप में भी लिया जा सकता है। जब मेरे लिखने-पढने से ही माहौल दूषित है तो पुरस्कार से मुझे नवाजा जाना मेरे अलावा किसे रास आएगा? एक बार मुझे पुरस्कृत करने की अफवाह मात्र उड़ी थी, उसी से उस संस्था के पास मेरे खिलाफ असंख्य आपत्तियां पहुंच गई थी। वास्तविकता का तो मुझे पता नहीं है, लेकिन इससे हुआ यह कि उस संस्था ने उस वर्ष से पुरस्कार देने की योजना ही आज तक स्थगित कर रखी है। अब संस्था दूसरे कार्यक्रम समारंभ करने की योजना बना रही है, पुरस्कृत करने का घिनौना कार्यक्रम स्थायी रूप से बंद करने की सोच रही है।

देश दुनीया से

नकली खेल सामान नहीं चाहिए

आज के ओलंपिक खिलाड़ी भी शौकिया न होकर अब पेशेवर हो गए हैं। सदी पूर्व जब जिम थोर्पे के ओलंपिक पदक इस लिए छीन लिए गए थे कि उसने कहीं खेल के नाम पर थोड़ा सा धन ले लिया था। आज अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ स्वयं विश्व रिकॉर्ड बनाने पर एक लाख अमरीकी डालर इनाम देता है और भारत में तो कुछ राज्य ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने पर छह करोड़ रुपए भी देते हैं। तभी तो बढिया किस्म के खेल उपकरणों का भी महत्व बढ़ गया है। अभी तक बढिया खेल सुविधाएं विकसित देशों को ही मिल पा रही थी, मगर अब यह सुविधा हर देश को चाहिए, तभी उच्च परिणाम आएंगे। खेलों में आज उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए खेल उपकरणों से लेकर कृत्रिम प्ले फील्ड तक में काफी सुधार किया जा रहा है। अच्छे खेल परिणामों के लिए खेल सामान की क्वालिटी का योगदान भी बहुत महत्वपूर्ण है, मगर खेल सामान की खरीददारी में बहुत बड़ा गोलमाल है। इस विषय पर पहले भी बहुत बार लिखा जा चुका है, मगर अभी तक इसमें कोई भी सुधार नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश के जिला युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के कार्यालयों व शिक्षा संस्थानों में हर वर्ष करोड़ों रुपए का खेल सामान जैम व अन्य माध्यमों से खेल विभाग व शिक्षा निदेशालय खरीद कर आगे देता है, जो बेहद निम्न दर्जे का होता है। इस कॉलम के माध्यम से बार-बार सरकार को सचेत किया जा रहा है कि इस खरीद पर लगाम लगा कर अच्छी क्वालिटी का खेल सामान प्रदेश के विद्यार्थी खिलाडियों को मिले, ताकि हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेलों का स्तर बहुत ही ऊपर उठ चुका है।

उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर खिलाड़ी पूरे विश्व में अपने देश का डंका बजा रहे हैं। इस अद्भुत खेल प्रदर्शन के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षकों व प्रतिभाशाली खिलाडियों के साथ-साथ उनके पास स्तरीय खेल किट व उच्च तकनीकी के खेल उपकरणों का होना भी बहुत ही जरूरी होता है। चिकित्सा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की बीमारियों को ठीक करने के लिए आज प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर कई प्रकार के उपकरण विकसित हो चुके हैं, ठीक उसी प्रकार खेल जगत में भी आज के अति मानवीय खेल परिणामों में विकसित प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर बनाई गई आधुनिक खेल सामग्री का विशेष योगदान है। जैसे-जैसे सभ्यता का विकास हो रहा है, हम स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इनसान को फिट रहने के लिए किसी न किसी खेल का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में जब लाखों नहीं, करोड़ों खेलेंगे तो उसके लिए खेल उपकरण भी चाहिएं। पूरे विश्व में खेल बहुत बड़ा उद्योग बन कर उभरा है। हमारे देश में आज खेल उपकरणों का उद्योग अरबों रुपए का कारोबार हर वर्ष कर रहा है। खेल किट व खेल उपकरणों के बाजार में अच्छे से अच्छा व घटिया से घटिया सामान उपलब्ध है। जब सरकारी स्तर पर खेल सामान खरीदा जाता है, तो कीमत बढिया या मध्यम स्तर के सामान की होगी और सामग्री निम्न दर्जे की होगी। इस तरह मूल्य उच्च क्वालिटी का तय कर शेष राशि हड़प ली जाती है। व्यापारी व सामग्री खरीदने वाले अधिकारी मिलकर अधिकांश राशि को चट कर जाते हैं। प्रदेश के महाविद्यालयों में जहां अधिकतर खेल सामग्री महाविद्यालय प्रशासन स्वयं खरीदता है, वहीं पर कुछ खेल सामान पहले शिक्षा निदेशालय मटीरियल्स एंड सप्लाई के अंतर्गत खरीद कर महाविद्यालय को दिया जाता था और अब जैम के माध्यम से खरीदा जा रहा है। मटीरियल्स एण्ड सप्लाई के अंतर्गत खरीदा गया खेल सामान बिल्कुल घटिया किस्म का मिलता रहा है। निम्न दर्जे के हाई जम्प व कबड्डी मैट, मुक्केबाजी रिंग व अन्य खेलों के घटिया उपकरण इसके उदाहरण आज भी देख जा सकते हैं। इस स्कीम के अंतर्गत खरीदे जिम एक साल तो दूर, कुछ महीनों बाद ही कबाड़ हो जाते हैं। लाखों रुपए का खेल सामान तो खरीद लिया, मगर यह कोई नहीं सोचता है कि यह काम में भी लाया जा सकता है या नहीं। इस खेल सामान खरीदने के लिए बनी कमेटी में निदेशालय के अधिकारी व बाबू होते हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी में शायद ही कोई खेल खेला हो और जो थोड़ा बहुत खेल खेले हैं और खेल सामान की परख भी रखते हैं, वे भी अपने थोड़े लाभ के लिए आंखें बंद कर लेते हैं। आज जब खेल में स्वास्थ्य स्कीम के अंतर्गत कई करोड़ रुपयों की कृत्रिम प्ले फील्ड जूडो, कुश्ती व खो-खो आदि खेलों के लिए खरीद कर विद्यालयों व महाविद्यालय को दी जा रही है, जहां भी खेल सामान खरीदना हो, वहां पर खरीददारी के लिए जो कमेटी बने, उसमें जिस भी खेल का सामान खरीदना है, उस खेल का प्रशिक्षक व कम से कम दो राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी भी विभागीय अधिकारियों के साथ हों।

जिस संस्थान को सामग्री मिले, वहां भी कमेटी देखे कि वह घटिया स्तर का तो नहीं दे दिया। अच्छी प्रशिक्षण सुविधा के अभाव में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी समय से पहले ही खेल को अलविदा कह जाते हैं और जिनके पास धन व साधन हैं, वे अच्छे प्रशिक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश से पलायन कर जाते हैं। हिमाचल प्रदेश में बहुत कम प्रशिक्षण केन्द्र हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी बनने के लिए स्कूल व कालेज समय में खिलाड़ी को अच्छी खेल सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए। पूरे संसार में जहां के खिलाड़ी श्रेष्ठ हैं, वहां पर स्कूल व कालेज स्तर पर बहुत ही उत्तम खेल सुविधाएं मुहैया हैं। इस स्तर पर अगर हिमाचल प्रदेश में घटिया खेल सामान न खरीद कर उच्च क्वालिटी का खेल सामान खरीदा होगा, तो स्तरीय खेल सुविधा होगी तो जहां जो खिलाड़ी प्रशिक्षण सुविधाओं के अभाव में खेल छोड़ देते हैं, वे अपने घर में रह कर खेल जारी रख सकते हैं। खेल सुविधाओं के लिए पलायन करने वालों को भी जब अपने ही राज्य में रह कर अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करने के लिए सुविधा मिलेगी, तो वे फिर क्यों अपना प्रदेश छोड़ेंगे। बात चाहे शिक्षा निदेशालय की हो या किसी भी संस्थान की, अब हिमाचल प्रदेश में उचित मूल्य चुका कर घटिया किस्म का खेल सामान खरीद कर करोड़ों रुपए की बंदरबांट को बंद करके असली खेल सामान खरीद कर हिमाचल प्रदेश के खिलाडियों व देश के गौरव पर तो कुछ दया करो।

आप का नजरीया

किसे कहेंगे घुसपैठिया

फिल्म अभिनेता सैफ अली खान अस्पताल से घर लौट आए हैं। राजनेताओं की भाषा के मुताबिक, सैफ 'टनाटन' और बिल्कुल स्वस्थ नजर आ रहे हैं। हमले के मात्र पांच दिन बाद ही सैफ बिल्कुल ठीक हो गए, उनके गहरे जख्म भी भर गए, वाह! चमत्कार हो गया। यही हमारी राजनीति की भाषा है। हमारे नेताओं के ऐसे वाहियात और बेमानी विश्लेषण हैं कि वे सैफ पर जानलेवा हमले और बांग्लादेशी अभियुक्त को लेकर सवाल कर रहे हैं। बहरहाल हम इस मुद्दे को यहीं छोड़ते हैं, क्योंकि पुलिस और अन्य एजेंसियों को सम्यक जांच करने की पूरी स्वतंत्रता दी जानी चाहिए। यह नेताओं के संदेहों और सवालों का क्षेत्र भी नहीं है। हमारा बुनियादी सरोकार यह है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या मुसलमानों का मुद्दा एकदम 'राष्ट्रीय' बन गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने महाराष्ट्र सरकार को अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया है। बाकायदा राज्य के गृह विभाग को एक पत्र लिखा गया है। सैफ के हमले ने यह मुद्दा एक बार फिर गरमा दिया है। पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा राज्यों की सीमाओं पर अवैध घुसपैठियों की धरपकड़ अचानक बढ़ गई है और उन्हें वापस बांग्लादेश में खदेड़ा जा रहा है। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने पुलिस आयुक्त को पत्र लिखा था, जिसके बाद बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ तलाशी अभियान बढ़ गए हैं। अलबत्ता बांग्लादेश वापस भेजने की कोई खबर नहीं आई है, क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी के गली-मुहल्लों में बांग्लादेशी दशकों से सक्रिय हैं। वे जीवन और समाज का हिस्सा बने हैं। वे रिक्शा चलाते हैं। उनकी औरतें घरों में काम करती हैं। इलाके के ढाबों और दुकानों पर बांग्लादेशी मजदूरी करते हैं। वे सहकारी सोसायटी के फ्लैटों में निर्माण, मरम्मत, बढ़ई, प्लंबर और एयर कंडीशनर मैकेनिक के तौर पर खुलेआम, सालों से काम कर रहे हैं। उनके पास आधार कार्ड, वोटर आई कार्ड, राशन कार्ड जैसे सरकारी दस्तावेज हैं। वे 'प्रधानमंत्री की मुफ्त अनाज' योजना का भी लाभ उठा रहे हैं। वे आम आदमी पार्टी के चुनावी लाभार्थी समूह में भी शामिल हैं। कानूनन वे 'भारतीय' हैं। उनकी पुश्तैनी जड़ें अधिकतर बंगाल, असम, त्रिपुरा आदि राज्यों से जुड़ी हैं। ऐसे में किसे 'घुसपैठिया' करार देंगे और किस पर 'अवैध प्रवासी' का संदेह कर कानूनी कार्रवाई करेंगे? दरअसल बांग्लादेश से पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, असम, मेघालय और मिजोरम राज्यों की सीमाएं लगती हैं। अधिकतर सीमाएं खुली हैं। हालांकि करीब 77 फीसदी सीमा पर बाड़बंदी का काम किया जा चुका है, लेकिन दोनों देशों के बीच कुछ सीमा-विवाद हैं, कुछ इलाके नदियों से सटे हुए हैं, जहां फेंसिंग नहीं की जा सकती। इन इलाकों के लोग भी बाड़ का विरोध करते रहे हैं। लिहाजा बांग्लादेश से त्रिपुरा, असम, बंगाल के जरिए लोग आते-जाते रहे हैं। पकड़े जाने पर वे खुद को असम, त्रिपुरा के निवासी बताते हैं। दस्तावेज भी होते हैं, तो प्रशासन और पुलिस उन्हें हिरासत में कैसे रख सकते हैं? हमारे देश में ऐसे भी गिरोह सक्रिय हैं, जो फर्जी कार्ड और दस्तावेज बनवा देते हैं। यह भी नए किस्म का भ्रष्टाचार और देशद्रोह है। चूंकि सैफ अली खान वीआईपी शख्स हैं, लिहाजा उनके घर में घुसने और हमला करने का यह मामला सुर्खियों में आ गया।

मोइन खान को सिर पर बैठाने और आंखों में बसाने वाले लोग बेटियों की सुरक्षा के लिए खतरा हैं : योगी आदित्यनाथ

योगी का मिल्कीपुर विधानसभा की चुनाव सभा में विपक्ष पर कड़ा हमला

अयोध्या (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को रामनगरी अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए हैरिंग्टनगंज के पलिया चौराहे एक चुनाव सभा को संबोधित करते हुए विपक्ष पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मोइन खान के भक्तों को चुनाव नहीं जीतने देना है। मोइन खान को सिर पर बैठाने और आंखों में बसाने वाले ये लोग बेटियों की सुरक्षा के लिए खतरा हैं। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या धाम का एक ही संदेश है। एकता से ही अखंड रहेगा ये देश। महाकुंभ का भी एक ही संदेश, एकता से ही अखंड रहेगा ये देश। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करके पुण्य लाभ लिया। वहां पर देश-दुनिया से लगातार श्रद्धालुओं के आने का क्रम जारी है। इन 10 दिन में महाकुंभ में 10 करोड़ लोगों ने स्नान किया है। कई देशों की आबादी ही 10 करोड़ नही है। अगले 35 दिन में 45 करोड़ लोग, श्रद्धालु और भक्त वहां पहुचेंगे और पुण्य लाभ लेंगे। दुनिया के 200 देशों की आबादी 45 करोड़ नही है। हम उत्तर प्रदेश वासी भारतवासी सौभाग्यशाली हैं। उन्होंने कहा कि वेदों में लिखा है कि भारत में जन्म लेना दुर्लभ है। हर जाति हर, वर्ग का व्यक्ति महाकुंभ में पुण्य लाभ ले रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांटने की राजनीति ने आपकी आस्था के साथ खिलवाड़ किया है। परिवारवाद की राजनीति करके इन्होंने सिर्फ अपने परिवार के लिए सोचा, जनता जनार्दन की सुध नहीं ली। इसी जनपद में पहले आंबेडकर नगर होता था। वहां जन्मे थे डॉक्टर लोहिया। उन्होंने कहा था सम्पत्ति संतति के चक्कर में जो पड़े, वो समाजवादी नही है। आज के समाजवादी तो सम्पत्ति के ही चक्कर में पड़े हैं जो खाली प्लाट है वो हमारा है। वहां ये कब्जे करके झंडे लगा लेते रहे हैं। इनका झंडा अपराधी माफिया को बचाने के लिए था। इनकी सहानुभूति किसी गरीब के लिए नहीं होती। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष रोज महाकुंभ का दुष्प्रचार कर रहे हैं। ये दुष्प्रचार भारत की आस्था पर चोट है। 22 जनवरी 2024 को जब रामलला विराजमान हुए तब भी समाजवादी पार्टी ने उसका विरोध किया था। इस समाजवादी पार्टी के हाथ निर्दोष कारसेवकों के खून सने हुए हैं। मुख्यमंत्री ने अयोध्या के विकास पर कहा कि हमने अयोध्या इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखा तो समाजवादी पार्टी ने उसका भी विरोध किया। जब हमने महर्षि वाल्मीकि की जन्मस्थली लालापुर का विकास करने का कार्य किया तो समाजवादी पार्टी ने उसका भी विरोध किया। संत तुलसीदास की जन्मस्थली राजापुर का विकास कार्य किया तो समाजवादी पार्टी ने उसका भी विरोध किया। लखनऊ में हमारी सरकार ने महाराजा बिजली पासी के किले का सौंदर्यीकरण कार्य किया तो सपा ने उसका भी विरोध किया। हमारी सरकार ने जब महाराजा सुहेलदेव के विजय स्मारक का बहराइच में विकास किया तो सपा ने उसका भी विरोध किया। समाजवादी पार्टी बाबा साहब का विरोध करती है। अयोध्या में रामलला का विरोध करती है। काशी विश्वनाथ का विरोध करती है। योगी ने कहा कि ये सिर्फ प्यार उसे करते हैं, आंसू उसके लिए बहाते हैं जब कोई माफिया मरता है। उसकी कब्र पर मर्सिया पढ़ने जाते हैं। इनका हीरो बेटी की इज्जत पर हाथ डालने वाला मोइन खान है। उन्होंने कहा, देख सपाई बिटिया घबराई। अयोध्या के सांसद उस मोइन खान की पैरवी करते हैं।

स्कूल मर्ज करने पर युवा कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

जोधपुर (हिंस)। बालिका स्कूलों को बॉयज स्कूलों में मर्ज करने के खिलाफ शुक्रवार को युवा कांग्रेस की तरफ से संयुक्त निदेशक शिक्षा विभाग कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया गया। यहां कार्यकर्ता शिक्षा विभाग कार्यालय के गेट पर चढ़ गए। बाद में स्कूल मर्ज करने के आदेश रद्द करने की मांग को लेकर अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। दरअसल शिक्षा विभाग ने हाल ही में आदेश जारी कर जोधपुर की 30 से लेकर 45 साल पुरानी स्कूलों को बंद कर अन्य स्कूलों में मर्ज कर दिया है। इनमें 550 और 450 बच्चियों के नामांकन के अलावा ग्रामीण क्षेत्र की प्राइमरी व मिडिल स्कूलों को भी नियमों को ताक में रखकर बंद किया गया। कई बालिका स्कूलों को बालक स्कूलों में मर्ज किया गया है। इसको लेकर शहर में विरोध प्रदर्शन किया जा है। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय चौपासनी हाउसिंग बोर्ड दूसरा पुलिया और राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रतापनगर की छात्राओं ने भी इस मर्ज का विरोध जताते हुए प्रदर्शन किया था। इन छात्राओं के समर्थन और स्कूल मर्ज करने के विरोध में आज युवा कांग्रेस देहात के जिलाध्यक्ष पुखराज दिवराया के नेतृत्व में संयुक्त निदेशक शिक्षा विभाग कार्यालय में प्रदर्शन किया और मांग की है कि स्कूलों को मर्ज नहीं किया जाए। स्कूलों की स्थिति यथावत रखी जाए।

घोटाले के आरोप में पूर्व विधायक बलजीत यादव के जयपुर समेत 10 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

जयपुर (हिंस)। पूर्व विधायक बलजीत यादव के ठिकानों पर शुक्रवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की है। पूर्व विधायक यादव की फर्म पर सरकारी स्कूलों में घटिया सामान की आपूर्ति का आरोप है। जानकारी के मुताबिक यादव के जयपुर में आठ ठिकानों के साथ दौसा व अलवर स्थित एक-एक ठिकाने पर टीमें पहुंची हैं। छापेमारी की कार्रवाई पीएमएलए कानून के तहत हो रही है। ईडी की एक टीम दो टैक्सी गाड़ियों में सिकंदरा थाना क्षेत्र के छोकरवाड़ा गांव में सीताराम के मकान पर भी पहुंची। दोनों गाड़ियों में छह अधिकारी और पांच पुलिसकर्मी शामिल थे। टीम ने आते ही जांच शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि सीताराम पूर्व विधायक बलजीत यादव के करीबी रहे हैं। पूर्व विधायक व उनसे जुड़े कुछ लोगों पर आरोप है कि इनकी कुछ कंपनियों ने सरकारी स्कूल के अंदर विधायक कोष से सामान की आपूर्ति में 3.72 करोड़ रुपए का घोटाला किया। विधायक कोष को दुरुपयोग कर नियमानुसार जो अनुमति लेनी थी, वह नहीं ली गई। इसके साथ ही टेंडर देने वाली फर्मों ने फेक डॉक्यूमेंट का उपयोग किया। साल-2022-23 में बहरोड़ क्षेत्र में बलजीत यादव व उसके सहयोगियों की कंपनियों ने विधायक कोष में क्रिकेट-बैडमिंटन किट की खरीद की थी। आरोप है कि विधायक फंड में हेरफेर कर 2.50 गुना अधिक में खरीद कर सरकार को नुकसान पहुंचाया गया। इसमें कुल 32 स्कूलों को सामान दिया गया था। प्रत्येक स्कूल के लिए नौ लाख का खेल सामान खरीद किया था। दावा किया गया कि क्रिकेट के बैट खरीदे गए उसकी कीमत भी 15 हजार 600 तक बताई गई थी। ज्यादातर स्कूलों को 50-50 बैट दिए गए। इस घोटाले में पहले भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से मामला दर्ज किया गया था। इसमें बलजीत यादव और आठ अधिकारी-कर्मचारियों की मिलीभगत का आरोप था। बलजीत यादव 2018 से 2023 में बहरोड़ से निर्दलीय विधायक रहे हैं। विधायक रहते हुए बलजीत यादव ने अशोक गहलोत सरकार को समर्थन दिया था, राज्यसभा चुनाव में भी यादव ने कांग्रेस के पक्ष में वोटिंग की थी।

बस-कार की भिड़ंत में मां-बेटी समेत तीन की मौत

बीकानेर (हिंस)। श्रीडूंगरगढ़ के पास स्थित कीतासर गांव में शुक्रवार सुबह बीकानेर-जयपुर नेशनल हाईवे पर निजी बस और कार में भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार मां-बेटी समेत तीन लोगों की मौत हो गई। कार सवारों को बाहर निकालने के गाड़ी को काटा गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के बाद कार सवार पानी मांग रहे थे। लोग पानी की बोतल लेकर गए, लेकिन उन्होंने दम तोड़ दिया। बस जयपुर जा रही थी। कार बीकानेर की तरफ आ रही थी। दोनों गाड़ियों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार सवार लोग गाड़ी में फंस गए। कार को काटकर उन्हें बाहर निकाला। तब तक आगे की सीट पर बैठी महिला राजीयासर निवासी बाला कंवर पत्नी गिरधारी सिंह और ड्राइवर पडिहारा निवासी आरिफ की मौत हो चुकी थी। युवती बुली कंवर पुत्री गिरधारी सिंह गंभीर घायल हो गई। उसे श्रीडूंगरगढ़ के सरकारी हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

मां की प्रतिमा की बदहाल स्थिति को देख नाराज हुई वसुंधरा राजे

जोधपुर (हिंस)। अपने दो दिवसीय जोधपुर प्रवास के दूसरे दिन शुक्रवार को सुबह पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे नगर निगम के अधिकारियों व पार्षद पर नाराज हो गई। वसुंधरा राजे सांचौर जाने के लिए जोधपुर से रवाना होने से पहले रेजिडेंसी रोड गौरव पथ स्थित भाजपा की वरिष्ठ नेता रही उनकी मां विजयाराजे सिंधिया की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाने पहुंची लेकिन वहां प्रतिमा व आसपास के परिसर का सही रखरखाव नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों को यहां की सफाई की नसीहत तक दे डाली। वसुंधरा राजे की नाराजगी से नगर निगम में हड़कंप मच गया। इसके बाद आनन फानन में मूर्ति स्थल की साफ-सफाई शुरू हो गई। नगर निगम के स्थानीय पार्षद भी इस दौरान वहां मौजूद रहे। वसुंधरा राजे ने जोधपुर से रवाना होने से पहले आज अपनी माता विजया राजे सिंधिया की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। यहां उन्होंने मीडिया से कहा कि जिस प्रकार से अन्य प्रतिमाओं की देखभाल होती है। वैसे ही इसका भी रखरखाव करने की बात कही थी, जिसकी पालना अब की जा रही है। पूर्व सीएम ने कहा कि विजयाराजे सिंधिया ने देश और हम सब के लिए बहुत कुछ किया है। उनकी प्रतिमा यहां लगी हुई है। उसको ठीक ठाक करने की जरूरत है। कल जब मैं यहां से गुजर रही थी, तब मूर्ति की हालत देखी थी। पेड़ों के बड़े हो जाने के कारण ठीक से मूर्ति नहीं दिखाई दे रही थी। राजे ने साफ-सफाई रखने के लिए क्षेत्रीय पार्षद और कार्यकर्ताओं को सलाह दी। उन्होंने कहा कि मूर्ति स्थापित करने के बाद उसकी देखरेख भी होती रहनी चाहिए। इस नसीहत का असर यह हुआ कि दस मिनट के भीतर ही प्रशासन का एक्शन भी नजर आया। वसुंधरा की नाराजगी से नगर निगम में हड़कंप मच गया। उनका सख्त लहजा सामने आने के बाद निगम की टीम मौके पर पहुंची। मूर्ति स्थल पर सफाई के साथ-साथ पेड़ों की कटाई और छंगाई का काम पूरा किया गया। इस दौरान मौके पर सफाई कराने में जुटे भाजपा नेता घनश्याम वैष्णव ने कहा कि भविष्य में इस तरह की पुनरावृत्ति ना हो, इसके लिए नगर निगम के महापौर और अधिकारियों से भी आग्रह किया जाएगा।

विभिन्न मांगों को लेकर पेंशनरों ने शुरू की दो दिवसीय अनशन और हस्ताक्षर अभियान

भागलपुर (हिंस)। भागलपुर के समाहरणालय परिसर में शुक्रवार को कर्पूरी जयंती के अवसर पर कर्पूरी जी के चित्र पर पेंशनरों ने फूल माला चढ़कर उन्हें याद किया। विभिन्न मांगों को लेकर पेंशनरों ने आज से दो दिवसीय अनशन कार्यक्रम की भी शुरुआत कर दी है। इसके साथ-साथ हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जा रहा है। इस मौके पर पेंशनर संघ के उपाअध्यक्ष ब्रज कुमार चौधरी ने कहा कि हमारी मांग है कि पुरानी पेंशन नीति को सरकार लागू करें। एनपीएस और यूपीएस जो सरकार लाई है वह पेंशनरों के साथ छलावा है। आज से हस्ताक्षर अभियान शुरू किया गया है। पांच लाख लोगों का हस्ताक्षर इसमें लिया जाना है। इसके बाद रविदास जयंती के अवसर पर हस्ताक्षर युक्त प्रतिवेदन मुख्यमंत्री को सौंपा जाएगा। उनसे मांग की जाएगी कि पुरानी पेंशन नीति लागू की जाए। वहीं यह कार्यक्रम लगातार जारी रहेगा जब तक पेंशनरों की मांग पूरी नहीं हो जाती है। इस अवसर पर काफी संख्या में पेंशनर मौजूद थे।

देश के शीर्ष नेताओं ने दी यूपी दिवस की शुभकामनाएं

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर देश के शीर्ष नेताओं ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने प्रदेश के आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक विकास पर अग्रसर के साथ सुख समृद्धि की मंगल कामनाएं कीं। उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पूर्व राज्यपाल राम नाईक ने अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट से उत्तर प्रदेश दिवस पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस पर राज्य के सभी निवासियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। देश के आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और आध्यात्मिक विकास में यह राज्य महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुझे विश्वास है कि प्रदेश समग्र विकास के पथ पर अग्रसर होगा। मैं उत्तर प्रदेश के मेहनती और प्रतिभाशाली निवासियों की निरंतर प्रगति और सुख-समृद्धि की मंगल कामना करती हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस पर राज्य के अपने सभी भाई-बहनों को मेरी ढेरों शुभकामनाएं। भारतीय संस्कृति में अनगिनत पौराणिक और ऐतिहासिक कालखंडों की साक्षी रही यह पावन धरती पिछले आठ वर्षों से विकास के नित नए अध्याय रचने में जुटी है। मुझे पूरा भरोसा है कि जनकल्याण के लिए समर्पित सरकार और यहां के लोगों की अद्भुत प्रतिभा एवं अथक परिश्रम से हमारा यह प्रिय प्रदेश विकसित भारत के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान देगा। गृहमंत्री अमित शाह धर्म, ज्ञान और समृद्ध सांस्कृतिक विरासतों की भूमि उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस की सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। प्रभु श्री राम से प्रदेश के चहुंमुखी विकास और जनता के कल्याण की कामना करता हूं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस पर राज्य के सभी भाइयों और बहनों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। यह प्रदेश भारत की समृद्ध प्रकृति, संस्कृति और संस्कारों का प्रतीक है। पिछले कई वर्षों में यहां अभूतपूर्व विकास हुआ है। मेरी ईश्वर से कामना है कि उत्तर प्रदेश प्रगति और समृद्धि के नए अध्याय लिखता रहे। प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाईक ने प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने रोटी के लिए प्रदेश के बाहर जा बसे उत्तर भारतीयों को भी स्थापना दिवस की बधाई दी है। साथ ही लगातार आठ साल से इस तरह उत्तर प्रदेश दिवस मनाने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उनकी सरकार अभिनंदन के हकदार हैं।

पीएनबी बैंक से 82 लाख रुपए के गबन के आरोपी कैशियर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जौनपुर (हिंस)। खेतासराय थाना अंतर्गत पुलिस टीम ने पंजाब नेशनल बैंक शाखा खेतासराय में 82 लाख रुपए गबन जालसाजी के आरोपी (पूर्व कैशियर) राकेश कुमार को शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। इस मामले में क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान ने बताया कि, अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर अरविन्द कुमार वर्मा के नेतृत्व में खेतासराय पुलिस टीम ने पंजाब नेशनल बैंक की शाखा खेतासराय से 82 लाख रुपए की हेराफेरी के पूर्व कैशियर पीएनबी शाखा खेतासराय राकेश कुमार (32) निवासी मकान नम्बर 88 जागृति बिहार संजय नगर गाजियाबाद को शुक्रवार को आजाद नहर पुलिया के पास गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेजा है।

जनसमस्याओं को लेकर हाउसिंग बोर्ड कार्यालय का घेराव

जोधपुर (हिंस)। कुड़ी भगतासनी के क्षेत्रवासियों ने शुक्रवार को जनसमस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। यहां पिछले लंबे समय से सड़क पर सीवरेज का गंदा पानी बह रहा है जो घरों में घुस रहा है। इसको लेकर आज राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के स्थानीय कार्यालय का महिलाओं ने घेराव कर प्रदर्शन किया। महिलाओं ने बताया कि कुड़ी हाउसिंग बोर्ड के 6, 7 और 8 सेक्टर में पिछले एक महीने से सीवर लाइनें जाम हैं, जिससे गंदा पानी घरों में घुस रहा है। बार-बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होने पर आज महिलाओं ने आवासन मंडल के आठ सेक्टर स्थित कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया और अधिकारियों का घेराव किया। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने बताया कि वे कई बार नगरपालिका कार्यालय जाकर शिकायत दर्ज करा चुकी हैं, लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। गंदगी के कारण बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी उनकी समस्याओं को अनदेखा कर रहे हैं।

जननायक कर्पूरी ठाकुर सामाजिक न्याय के मसीहा थे : उपराष्ट्रपति

पटना/समस्तीपुर (हिंस)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर की 101वीं जयंती के मौके पर आज उनके पैतृक गांव पितोझिया (कर्पूरी ग्राम) में राजकीय कार्यक्रम में अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर *सामाजिक न्याय के मसीहा* थे। उन्होंने अपना सारा जीवन गरीबों और वंचितों की मदद के लिए किया। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर एक सच्चे राजनेता थे और उन्होंने बिहार के राजनीतिक परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी। कर्पूरी ठाकुर हमेशा समानता, बंधुत्व और सभी के लिए न्याय में विश्वास की वकालत करते थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने सुनिश्चित किया कि शिक्षा उन लोगों के लिए सुलभ हो जो ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर हैं। उपराष्ट्रपति ने पहले की सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जैसे राजनेताओं को उनका हक देने में विफल रही। मुझे याद है कि जब कर्पूरी ठाकुर और चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने की घोषणा की गई थी, तब राज्यसभा में कितना उत्साह था। मेरे मन में एक विचार आया, यह सम्मान ठाकुर की मृत्यु के 36 साल बाद मिला, ऐसा पहले क्यों नहीं हुआ? अब निश्चित रूप से बदलाव आया है। हमारे नायकों (आदर्श) को गुमनामी से बाहर निकाला जा रहा है और उन्हें उनका हक दिया जा रहा है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि बीते एक दशक में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के नेतृत्व में देश में *अद्वितीय* विकास हुआ है। इसकी वजह से देश की जनता की आंकक्षा भी बढ़ी है। धनखड़ ने कहा कि बीते 10 वर्षों में देश पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया हैं। अब आगामी पांच वर्षों में हम देश की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेंगे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत कोई सपना नहीं है, देश की स्वतंत्रता की 100 वीं वर्षगांठ यानी-2047 तक यह साकार होकर रहेगा। भारत विश्व गुरु बनेगा। धनखड़ ने प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसी योजनाएं शुरू कीं, जिनसे आम लोगों को गैस कनेक्शन, बिजली और शौचालय उपलब्ध कराकर उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया है जो आज तक इससे वचिंत थे। लोगों ने अब विकास का स्वाद चख लिया है। उनकी आकांक्षाएं आसमान छू रही हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि सरकारी नौकरियों के बारे में सोचकर खुद को सीमित न रखें। आज की सरकार की नीतियां आपकी असीमित क्षमता का दोहन करने के लिए हैं। ऐसे अवसरों का पूरा लाभ उठाएं।

संविधान हमारे अधिकारों का आधार : शहनवाज हुसैन

कटिहार (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में संविधान गौरव अभियान के तहत एक जिलास्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैय्यद शहनवाज हुसैन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और कर्पूरी ठाकुर के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर और वंदे मातरम् के साथ की गई। शहनवाज हुसैन ने इस अवसर पर कहा कि संविधान हमारे अधिकारों का आधार है और इसे संजोना हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान की महत्ता पर जोर दिया और कहा कि यह हमारी पहचान और अभिमान है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के नेता संविधान के सबसे बड़े संरक्षक होने का दावा करते हैं, लेकिन वास्तव में उन्होंने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को लोकसभा में दोबारा चुनकर आने से रोक दिया था। कार्यक्रम में महादलित समाज और बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रीमियम लिस्टिंग के बावजूद लोअर सर्किट पर पहुंचे ईएमए पार्टनर्स के शेयर

नई दिल्ली

एग्जीक्यूटिव सर्च कंपनी ईएमए पार्टनर्स के शेयरों की स्टॉक मार्केट में 26.21 प्रतिशत प्रीमियम के साथ एंट्री हुई। कंपनी के शेयर 124 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 156.50 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये उछल कर 158.80 रुपये के स्तर तक पहुंचा। हालांकि थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये गोता लगा कर 148.70 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। लोअर सर्किट लगने के बावजूद प्रीमियम ओपनिंग के कारण कंपनी के आईपीओ निवेशक अभी भी 19.92 प्रतिशत के फायदे में हैं।

ईएमए पार्टनर्स लिमिटेड का 76.01 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 से 21 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 221.06 गुना सब्सक्राइब हो गया था।

इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 147.69 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 444.08 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 167.35 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इस आईपीओ के तहत 66.14 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 5 रुपये फेस वैल्यू वाले 7.96 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी सब्सिडियरी में लीडरशिप टीम को बढ़ाने, अपने आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने, पुराने कर्ज को चुकाने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत उतार-चढ़ाव के बावजूद मजबूत हुई है।

वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 11.27 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में घट कर 3.07 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके बाद 2023-24 में शुद्ध लाभ में एक बार फिर बढ़ोतरी हुई और लाभ का ये आंकड़ा 38.41 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से जुलाई 2024 के बीच कंपनी को 4.37 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इसी तरह इस अवधि में कंपनी 26.33 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

न्यूज ब्रीफ

अच्युत घटक कोल इंडिया बोर्ड में निदेशक 'तकनीकी' नियुक्त, कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की खनन कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने अच्युत घटक को बोर्ड में निदेशक (तकनीकी) नियुक्त किया है। अच्युत घटक ने अपना कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने बी. वीरा रेड्डी का स्थान लिया, जो पिछले वर्ष अगस्त में सेवानिवृत्त हो गए थे। कोल इंडिया ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि अच्युत घटक को बोर्ड में निदेशक (तकनीकी) के पद पर उनकी नियुक्ति उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि 23 जनवरी, 2025 से उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि अर्थात 31 मार्च, 2028 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो प्रभावी रहेगी। सीआईएल ने अच्युत घटक के निदेशक (तकनीकी) का पदभार संभालने की जानकारी दी है। कोल इंडिया ने कहा कि हमें अच्युत घटक को डी(टी) सीआईएल के रूप में नियुक्त करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। उन्होंने 1989 में हमारी सहायक कंपनी वेस्टर्न कोलफील्ड्स में जूनियर एग्जीक्यूटिव ट्रेनी के रूप में अपनी यात्रा शुरू करने वाले अच्युत घटक कोयला खनन क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का अनुभव रखते हैं। उल्लेखनीय है कि घटक ने कोयला खनन परियोजनाओं की देखरेख के लिए सीआईएल में पहली बार एमएस-प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी। उन्होंने 1 बीटी लक्ष्य के लिए रोडमैप तैयार किया। घटक ने सीआईएल के लिए भूमिगत विजन प्लान तैयार करने और उसे लागू करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, सीआईएल के विजन 2047 की तैयारी में योगदान दिया और एमओसी के विजन 2047 दस्तावेज का मसौदा तैयार करने में सहायता की।

चंद्रबाबू नायडू ने वित्त मंत्री से मुलाकात में आंध्र प्रदेश के लिए मांगी वित्तीय सहायता

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से नई दिल्ली में मुलाकात की।मुलाकात के दौरान चंद्रबाबू ने राज्य से जुड़े कई लंबित मुद्दों पर चर्चा करके वित्तीय सहायता का अनुरोध किया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से नार्थ ब्लॉक स्थित कार्यालय में मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान चंद्रबाबू ने राज्य से जुड़े कई लंबित मुद्दों पर चर्चा की और वित्तीय सहायता का अनुरोध किया। चर्चा के दौरान उठाए गए प्रमुख मुद्दों में अमरावती के लिए हुडको ऋण और विश्व बैंक से वित्त पोषण शामिल थे। चंद्रबाबू नायडू पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से भी मुलाकात करेंगे। इसके बाद वे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री प्रह्लाद जोशी से भी चर्चा करेंगे। नई दिल्ली में अपने कार्यक्रम पूरे करने के बाद एन. चंद्रबाबू नायडू के शाम विजयवाड़ा लौटने की उम्मीद है।

डीपीआईआईटी ने विनिर्माण क्षेत्र में स्टार्टअप प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए निजी फर्म से मिलाया हाथ

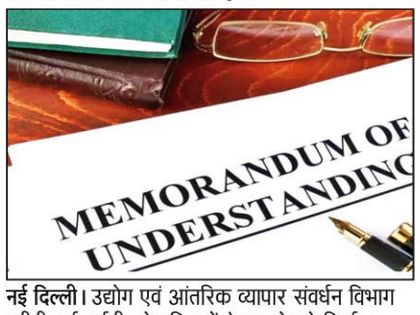

नई दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने परिधानों के सबसे बड़े निर्माता शाही एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की सहायक कंपनी भाने ग्रुप के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि डीपीआईआईटी और भाने ग्रुप के साथ जो समझौता हुआ है। यह सहकार्यता विनिर्माण के साथ-साथ अन्य उत्पादन क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाले स्टार्टअप के लिए इनक्यूबेशन कार्यक्रम शुरू करेगा, जो अंतरराष्ट्रीय स्टार्टअप प्रणाली के साथ संबंधों को बढ़ावा देगा। यह समझौता देश में नए विनिर्माण उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार के प्रयासों का एक हिस्सा है। मंत्रालय ने कहा कि अपने व्यापक अनुभव से भाने समूह बाजार को लेकर आवश्यक जानकारी प्रदान करके आगामी स्टार्टअप की मदद करेगी। भाने समूह स्टार्टअप्स को विदेशी बाजारों के कामकाज की समग्र समझ बनाने में मदद करेगी। इसके साथ ही स्टार्टअप जीवनचक्र के दौरान परिचालन ज्ञान पर मार्गदर्शन भी देगी।

उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स ऊपरी स्तर से करीब 900 अंक टूटा

निवेशकों को 1 दिन के कारोबार से 5.02 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली

सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल भी ऊपर-नीचे होती रही। इस उतार-चढ़ाव के कारण सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से करीब 900 अंक तक और निफ्टी करीब 300 अंक तक टूट गए। हालांकि अंत में खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर दोनों सूचकांक मामूली रिकवरी करने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.43 प्रतिशत और निफ्टी 0.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

दिनभर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, रियल्टी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, मेटल और पीएसई इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर टेक, एफएमसीजी और आईटी इंडेक्स मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.60 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई गिरावट के

कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 419.61 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 424.63 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 5.02 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,059 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,038 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,902 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 119 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,545 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 482 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान और 2,063 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर बढ़त के साथ और 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 18 शेयर हरे निशान में और 32 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 65.03 अंक की कमजोरी के साथ 76,455.35 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद पूरे दिन तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 465.57 अंक की मजबूती के साथ 76,985.95 अंक के स्तर तक पहुंच गया। दूसरी ओर, बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 894.20 अंक टूट कर 428.63 अंक की कमजोरी के साथ 76,091.75 अंक तक गिर भी गया। हालांकि आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 100 अंक की रिकवरी करके 329.92 अंक की गिरावट के साथ 76,190.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने 21.45 अंक फिसल कर 23,183.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों की खींचतान के कारण इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 141.95 अंक उछल कर 23,347.30 अंक के स्तर तक पहुंच गया। लिवाली के इस दौर पर दोपहर 12 बजे के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ब्रेक लगा। बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 297.30 अंक लुढ़क कर 155.35 अंक की गिरावट के साथ 23,050 अंक के स्तर तक आ गया। हालांकि अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई खरीदारी के कारण ये सूचकांक निचले स्तर से 40 अंक से अधिक की रिकवरी करके 113.15 अंक की कमजोरी के साथ 23,092.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर 2 प्रतिशत, ब्रिटानिया 1.77 प्रतिशत, आयशर मोटर्स 1.76 प्रतिशत, ग्रासिम इंडस्ट्रीज 1.20 प्रतिशत और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 0.86 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज 5.04 प्रतिशत, ट्रेंट लिमिटेड 4.24 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.95 प्रतिशत, अडाणी एंटरप्राइजेज 2.93 प्रतिशत और बीपीसीएल 2.75 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

एमएनआरई इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड में नए भारत का सूर्योदय झांकी करेगा प्रदर्शित

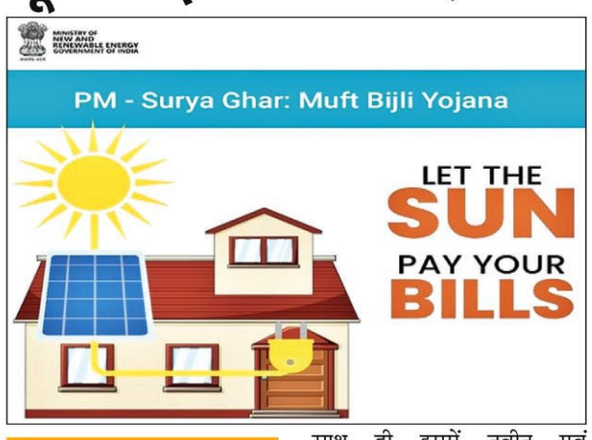

गणतंत्र दिवस परेड में भारत के उभरते अक्षय ऊर्जा परिदृश्य को प्रदर्शित करेगी एमएनआरई की झांकी

नई दिल्ली

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) राजधानी नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में आकर्षक झांकी प्रदर्शित करेगा, जिसमें वह भारत के उभरते ऊर्जा परिदृश्य की झलक दिखलाएगा। साथ ही देश की गहरी सांस्कृतिक विरासत मनाते हुए वह नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय प्रगति दर्शाएगा।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि यह झांकी मुख्य रूप से महत्वाकांक्षी पहल प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ़्त बिजली योजना पर केंद्रित होगी, जो दुनिया की सबसे बड़ी आवासीय छत सौर पहल है। साथ ही इसमें नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की अन्य परिवर्तनकारी योजनाएं भी दर्शायी जाएंगी। एमएनआरई के ये प्रयास भारत की हरित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के साथ ही वर्ष 2030 तक करोंड़ो हरित नौकरियों के अवसर उत्पन्न करेंगे।

मंत्रालय के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के ऊर्जा परिवर्तन (संक्रमण) पर जोर देते हुए झांकी में हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में भारत की प्रगति को भी दर्शाया जाएगा। इसमें पवन ऊर्जा में चौथे सबसे बड़े संस्थापन क्षमता वाले देश के रूप में भारत की स्थिति भी दर्शाई जाएंगी।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि संवहनीय और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर भारत के बढ़ते कदम की इस झांकी को देखने वाले पहले लोगों में पीएम सूर्यघर, पीएम कुसुम लाभार्थी और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा आमंत्रित नवीकरणीय ऊर्जा तकनीशियनों सहित आठ सौ विशेष अतिथि गणतंत्र दिवस परेड देखने वालों में शामिल होंगे।

क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में फंसी पेटीएम, ईडी की जांच के घेरे में आई

डिजिटल भुगतान की दिग्गज कंपनी पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस क्रिप्टाकरेंसी घोटाला मामले में ईडी की जांच के घेरे में आ गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच के दायरे में आने की खबर के बाद पेटीएम का स्टॉक भारी गिरावट के साथ ट्रेड कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार पेटीएम उन आठ पेमेंट गेटवे कंपनियों में शामिल है, जिनके खिलाफ ईडी ने जांच शुरू की है। इन कंपनियों के वर्चुअल अकाउंट्स में करीब 500 करोड़ रुपए की राशि को ईडी ने फ्रीज कर दिया है। यह कार्रवाई चीनी नागरिकों द्वारा चलाए जा रहे कथित क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में इन कंपनियों की संभावित संलिप्तता के चलते की गई है। आरोप है कि चीन के इन नागरिकों ने एचपीजेड टोकन ऐप के जरिए 20 राज्यों में हजारों लोगों को झांसे में लेकर 2200 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि जुटाई। ईडी ने इस घोटाले में पेटीएम समेत अन्य कंपनियों की भूमिका की जांच शुरू की है। इस खबर के बाद पेटीएम का स्टॉक शुक्रवार को 849.95 रुपए पर खुलने के बाद लगभग 9 फीसदी गिरकर 773.05 रुपए के निचले स्तर पर पहुंच गया।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार, सोना और चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार सपाट स्तर पर कारोबार कर रहा है। सोना और चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना भी 82,090 रुपये से लेकर 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना भी गुरुवार के भाव पर ही यानी 75,250 रुपये से लेकर 75,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु लगातार तीसरे दिन 96,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 75,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 82,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 75,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना भी 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 75,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 75,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 82,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 75,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 82,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना भी गुरुवार की तरह ही 75,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से लगातार पांचवें दिन पॉजिटिव संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से लगातार पांचवें दिन पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले क्षेत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। हालांकि एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

डावोस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद जहां कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई, वहीं अमेरिकी बाजार का उत्साह

बढ़ गया। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,117.22 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.17 प्रतिशत उछल कर 20,043.08 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 44,567.67 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान उत्साह नजर आया। एफटीएसई इंडेक्स 0.23 प्रतिशत उछल कर 8,565.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.70 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,892.61 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 157.26 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ 21,411.53 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 4 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। ताइवान स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से ताइवान वेटेड इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 98 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,159 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.26 प्रतिशत लुढ़क कर 7,213.69 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.08 प्रतिशत फिसल कर 3,803.69 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 39,929.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, कोस्पी इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,528.26 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,345.56 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में जोरदार तेजी नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 356.90 अंक यानी 1.78 प्रतिशत उछल कर 20,057.46 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,253.79 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अंगूठे की चोट से उबरे कुहनेमन, श्रीलंका दौरे के लिए मिली मंजूरी

मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुहनेमन को अंगूठे की चोट की सर्जरी के बाद ठीक होने के बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए हरी झंडी दे दी गई।

पिछले हफ्ते बिग बैश लीग (बीबीएल) के मुकाबले के दौरान कुहनेमन का दाहिना अंगूठा टूट गया था, लेकिन वर्तमान में, वह गुरुवार को अभ्यास सत्र के दौरान नेट्स में अच्छी गेंदबाजी करने में सफल रहे हैं।

हीट के फिजियो एडम स्मिथ की देखरेख में उन्होंने क्षेत्ररक्षण करते हुए कुछ कैच भी लपके।

गुरुवार को ब्रिसबेन में सफल अभ्यास सत्र के बाद, कुहनेमन श्रीलंका में आगामी दो मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में शामिल होने की मंजूरी मिलने के प्रति आशावादी हैं।

कुहनेमन के साथ विक्टोरियन बल्लेबाज ओलिवर पीक भी शामिल होंगे,18 वर्षीय खिलाड़ी, जिन्होंने पिछली गर्मियों में ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 विश्व कप जीत में अहम भूमिका निभाई थी, ने पिछले सप्ताह मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए हीट के खिलाफ़ अपना बीबीएल डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने 19 रन बनाए थे।

कुहनेमन की रिकवरी ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी को दाएं हाथ के नाथन लियोन और टॉड मर्फी के बाद पसंदीदा चयन विकल्प माना जा रहा है।

28 वर्षीय खिलाड़ी ने 2023 में भारत के अंतिम उपमहाद्वीप दौरे पर टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया, संभावित चार टेस्ट मैचों में से तीन खेले और इंदौर में ऑस्ट्रेलिया की जीत की पहली पारी में पांच विकेट लिए। लेकिन कुहनेमन को टीम में शामिल करने की मंजूरी कूपर कोनोली की 29 जनवरी से शुरू होने वाली दो मैचों की सीरीज में चौंकाने वाला टेस्ट डेब्यू करने की उम्मीदों को झटका दे सकती है।

कोनोली ने केवल चार प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं और अभी तक उस स्तर पर एक भी विकेट नहीं लिया है। 21 वर्षीय खिलाड़ी के लिए अब टेस्ट डेब्यू करना मुश्किल लग रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के श्रीलंका दौरे का कार्यक्रम इस प्रकार है-

- पहला टेस्ट: 29 जनवरी-2 फरवरी, गॉल।
- दूसरा टेस्ट: 6-10 फरवरी, गॉल।
- पहला वनडे: 12 फरवरी, कोलंबो।
- दूसरा वनडे: 14 फरवरी, कोलंबो।

ऑस्ट्रेलिया टेस्ट टीम:

स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, ट्रैविस हेड (उपकप्तान), जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मैट कुहनेमन , मार्नस लैबुशेन, नाथन लियोन, नाथन मैकस्वीनी, टॉड मर्फी, मिशेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर ।

न्यूज ब्रीफ

वर्ल्ड पैडल लीग : टीम पैंथर्स का मालिक बना सोहेल खान एंटरटेनमेंट, मुंबई के नेस्को सेंटर में 5 से 8 फरवरी तक आयोजित होगी वर्ल्ड पैडल लीग

मुंबई। वर्ल्ड पैडल लीग (डब्ल्यूपीएल) ने गुरुवार को बॉलीवुड के मशहूर निर्माता और अभिनेता सोहेल खान के स्वामित्व वाले सोहेल खान एंटरटेनमेंट को टीम पैंथर्स का आधिकारिक मालिक घोषित किया। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट भारत में पहली बार 5-8 फरवरी के बीच मुंबई के नेस्को सेंटर में आयोजित होगा, जिसमें दुनिया के शीर्ष पैडल खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। सोहेल खान एंटरटेनमेंट, जो 'प्यार किया तो डरना क्या', 'जय हो', 'पार्टनर' और 'फ्रीकी अली' जैसी हिट फिल्मों के निर्माण के लिए जाना जाता है, अब खेल जगत में अपनी नई पारी शुरू कर रहा है। कंपनी इससे पहले 1000 से अधिक ऑन-ग्राउंड इवेंट आयोजित कर चुकी है और द-बैंग टूर जैसे बड़े शो का आयोजन कर चुकी है। इसके साथ ही, सोहेल खान सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग और मुंबई हीरोज टीम के सह-मालिक भी हैं। डब्ल्यूपीएल में अपनी भागीदारी पर सोहेल खान ने कहा, भारत में पैडल खेल की बढ़ती लोकप्रियता प्रभावशाली है। यह खेल समुदाय की भावना को बढ़ावा देता है, और विश्व पैडल लीग की शुरुआत भारत में इस खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। हमारी टीम पैंथर्स में विश्व स्तरीय प्रतिभाएँ शामिल हैं, और हमें उम्मीद है कि यह एक सफल संस्करण साबित होगा। वर्ल्ड पैडल लीग की निदेशक हेमाली शर्मा ने भी इस सहयोग पर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, सोहेल खान एंटरटेनमेंट को वर्ल्ड पैडल लीग का हिस्सा बनाना हमारे लिए सम्मान की बात है। उनका जुड़ाव पैडल खेल की बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। हम इस साझेदारी से उत्साहित हैं और भारत में इस खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की उम्मीद करते हैं। लीग का प्रारूप और कार्यक्रम वर्ल्ड पैडल लीग तीन लीग चरण के दिनों के दौरान एकल राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेली जाएगी, जिसमें प्रत्येक टीम एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला करेगी। लीग की शीर्ष दो टीमें 8 फरवरी को होने वाले फाइनल में भिड़ेंगी।

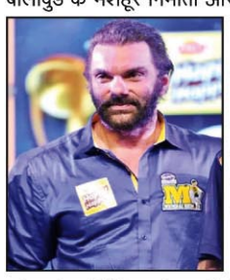

कपिल देव ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले टीम इंडिया को दीं शुभकामनाएं

गुरुग्राम। दिग्गज भारतीय क्रिकेटर और पूर्व कप्तान कपिल देव ने 19 फरवरी से शुरू होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले टीम इंडिया को शुभकामनाएं दी हैं। कपिल गुरुवार को गुरुग्राम के सत्या स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। मीडिया से बातचीत में विश्व कप विजेता कप्तान से टूर्नामेंट के लिए भारत को शुभकामनाएं दीं। आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी का नौवां संस्करण 19 फरवरी से 9 मार्च तक पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में होने वाला है। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में 15 मैच 50 ओवर के होंगे और यह पाकिस्तान और दुबई में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मैच दो चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को दुबई में खेला जाएगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगा। भारत का आखिरी लीग मैच 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होगा। टूर्नामेंट के ग्रुप ए में मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी धारक और मेजबान पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश शामिल हैं, जबकि ग्रुप बी में क्रिकेट विश्व कप 2023 चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। भारत के ग्रुप चरण के मैच: 20 फरवरी - भारत बनाम बांग्लादेश, दुबई ,23 फरवरी - भारत बनाम पाकिस्तान, दुबई, 2 मार्च - भारत बनाम न्यूजीलैंड, दुबई।

इंडोनेशिया मास्टर्स : क्वार्टर फाइनल में पहुंचे चीनी शटलर

जकार्ता। चीनी शटलर गुरुवार को जकार्ता के इस्तोरा सेनयान स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित 2025 इंडोनेशिया मास्टर्स में चार श्रेणियों में क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। चीन की दुनिया की 10वें नंबर की मिश्रित युगल जोड़ी गुओ शिनवा और चेन फांगहुई ने चीनी ताइपे की चेन चेंग कुआन और हसू यिन-हुई को मात्र 29 मिनट में 21-10, 21-18 से हराकर अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर ली। क्वार्टर फाइनल में गुओ और चेन का सामना हमवतन चेंग जिंग और झांग ची से होगा, जिन्होंने साथी चीनी जोड़ी गाओ जियाक्सुआन और वू मेंगिंग पर 21-18, 18-21, 21-7 से जीत हासिल की। पुरुष युगल में, जी हाओनान और ज़ेंग वेहान ने मलेशिया के टैन वी कियोंग और नूर मोहम्मद अज़ियन अयूब पर 21-16, 21-14 से जीत हासिल की। इस बीच, महिला युगल में, जिया यिफान और झांग शुक्सियन ने अपनी टीम के साथी ली यिजिंग और लुओ जुमिन को 21-11, 21-19 से हराकर अपना दबदबा दिखाया। पुरुष एकल में, चीन के विश्व नंबर 1 शि यूकी ने दक्षिण कोरिया के जियोन ह्योक-जिन पर 21-11, 21-14 से सीधी जीत हासिल की।

खो-खो विश्व कप विजेता भारतीय टीमों को केंद्रीय खेल राज्य मंत्री ने दी बधाई

नई दिल्ली

केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने शुक्रवार को हाल ही में खो-खो विश्व कप जीतने वाली भारतीय पुरुष और महिला टीमों से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। खडसे ने कहा कि यह देश के लिए गर्व का क्षण है कि दोनों टीमों ने इस स्वदेशी खेल में पहला विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने इस जीत को पूरे देश, विशेष रूप से ग्रामीण भारत के लिए प्रेरणा बताया।

हमारी मिट्टी का खेल, हमारा गर्व

खडसे ने कहा, हमारी पुरुष और महिला दोनों टीमों ने जिस दबदबे के साथ विश्व कप जीता, उससे मुझे बहुत गर्व है। यह हमारी मिट्टी और गांवों का खेल है, जिसे अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का श्रेय भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) और खिलाड़ियों को जाता है। उन्होंने केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल और उनकी टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने इस खेल को वैश्विक मंच पर स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई है।

प्रतीक वाइकर और प्रियंका इंगले ने दिलाया स्वर्ण पदक

भारतीय पुरुष टीम, जिसकी कप्तानी प्रतीक वाइकर कर रहे थे, ने फाइनल मुकाबले में नेपाल को हराया। वहीं, महिला टीम ने प्रियंका इंगले की अगुवाई में नेपाल के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दर्ज की। पहले खो-खो विश्व कप में 6 महाद्वीपों के 23 देशों की 20 पुरुष और 19 महिला टीमों ने भाग लिया। यह टूर्नामेंट एक सप्ताह तक चला, जिसमें भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतरीन रहा।

महाराष्ट्र ने निभाई अग्रणी भूमिका

खडसे ने महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की और कहा, महाराष्ट्र, जहां इस खेल की शुरुआत हुई, ने शानदार योगदान दिया। अब यह हर खिलाड़ी की जिम्मेदारी है कि वे अपने क्षेत्र में इस खेल को बढ़ावा दें और नई पीढ़ी को प्रेरित करें।

महाराष्ट्र सरकार ने खिलाड़ियों को दिया बड़ा तोहफा

राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने 10 दिसंबर, 2024 से 11 जनवरी, 2025 तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक महीने का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया। इस शिविर में 27 राज्यों के 60 पुरुष और 60 महिलाओं ने भाग लिया, जिसे केकेएफआई के समर्थन से आयोजित किया गया।

मित्तल ने सरकार की सराहना की

केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने विश्व कप के सफल आयोजन में सहयोग के लिए भारत सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने हर संभव सहायता प्रदान की। हमने चार साल बाद बर्मिंघम में अगले विश्व कप के आयोजन की घोषणा कर दी है और भारत में भविष्य की विश्व चैम्पियनशिप आयोजित करने की योजना पर विचार कर रहे हैं।

खिलाड़ियों को महाराष्ट्र सरकार का तोहफा

खडसे के अनुरोध पर महाराष्ट्र सरकार ने खो-खो विश्व कप में भाग लेने वाले राज्य के प्रत्येक खिलाड़ी को 2.25 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार और राज्य सरकार में प्रथम श्रेणी की नौकरी देने की घोषणा की है। यह कदम खो-खो को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के प्रयासों का हिस्सा है।

खो-खो को नई पहचान देने का प्रयास

रक्षा खडसे ने कहा कि सरकार खो-खो जैसे स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि केकेएफआई की योजनाओं को आगे बढ़ाने और खेल को लोकप्रिय बनाने के लिए केंद्रीय खेल मंत्री से चर्चा की जाएगी। खो-खो विश्व कप में भारतीय खिलाड़ियों की इस उपलब्धि ने न केवल स्वदेशी खेलों के प्रति रुचि को पुनर्जीवित किया है, बल्कि नई पीढ़ी को इस खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया है।

अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित पैरा शूटर रुबीना फ्रांसिस ने मानसिक स्वास्थ्य और चुनौतियों पर साझा किए अनुभव

नई दिल्ली

पेरिस पैरालंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पैरा शूटर रुबीना फ्रांसिस ने हाल ही में गगन नारंग स्पोर्ट्स फाउंडेशन की पहल हाउस ऑफ ग्लोरी पॉडकास्ट में अपनी यात्रा और अनुभव साझा किए। इस बातचीत में उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपलब्धियों के लिए अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर अपनी भावनाएं भी व्यक्त कीं।

महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 श्रेणी में भारत का नाम रोशन करने वाली रुबीना ने कहा, अर्जुन पुरस्कार पाकर मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए बेहद खास पल है। यह मेरे करियर की कड़ी मेहनत का परिणाम है।

उन्होंने बताया कि कैसे पिछले कुछ सालों में आई चुनौतियों ने इस उपलब्धि को और खास बना दिया।

टोक्यो से पेरिस तक का सफर

2020 टोक्यो पैरालंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए सातवां स्थान हासिल किया था। हालांकि, उस प्रदर्शन ने उन्हें गहरा झटका दिया और खेल छोड़ने का विचार उनके मन में आया।

उन्होंने बताया, टोक्यो में मेरे प्रदर्शन ने मुझे निराश कर दिया। मैंने खुद का विश्लेषण किया और अपनी कमियों को समझा।

इस अनुभव ने उन्हें मानसिक रूप से और मजबूत बनाया। उन्होंने कहा, मैंने महसूस किया कि खेल मनोविज्ञान कितना जरूरी है। टोक्यो के दौरान यदि मैंने इसका महत्व समझा होता, तो मेरा प्रदर्शन बेहतर होता।

पेरिस पैरालंपिक में पदक जीतने से पहले, रुबीना ने 2022 से 2024 तक कई कोटा मैचों में निरंतर हार का सामना किया। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी कमजोरियों को दूर करते हुए इतिहास रच दिया।

मानसिक स्वास्थ्य पर जोर

रुबीना ने अपने सफर में मानसिक स्वास्थ्य की अहमियत पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, खेलों में मानसिक दृढ़ता बेहद जरूरी है। हार का असर कुछ समय तक रहता है, लेकिन उससे बाहर निकलना ही असली जीत है। मैंने सीखा कि खुद को कैसे सामान्य रखा जाए और आगे बढ़ा जाए।

रुबीना फ्रांसिस का यह सफर न केवल उनकी दृढ़ता और मेहनत का उदाहरण है, बल्कि देश के युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा है। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित होकर उन्होंने न केवल अपनी उपलब्धियों को नया आयाम दिया है, बल्कि आने वाले समय में और ऊंचाइयों तक पहुंचने का भरोसा भी जताया है।

यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल

पेरिस में यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल में पेरिस सेंट जर्मेन और मैनचेस्टर सिटी के खिलाड़ी खेलते हुए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 : पीयर्स-गेडेकी की जोड़ी ने मिश्रित युगल खिताब जीता

मेलबर्न

आस्ट्रेलिया की ओलिविया गैडेकी और जॉन पीयर्स की जोड़ी ने शुक्रवार को मेलबर्न पार्क में ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में मिश्रित युगल का खिताब जीत लिया है। खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए हमवतन किम्बर्ली बिरेल और जॉन-पैट्रिक स्मिथ की जोड़ी को 3-6, 6-4, 10-6 से हराया।

बिरेल और स्मिथ ने रॉड लेवर एरिना में शुरुआती सेट में 3-0 की बढ़त हासिल की और आसानी से 6-3 से पहला सेट जीत लिया।

गेडेकी और पीयर्स ने इसके बाद दूसरे सेट में कड़ी टक्कर दी और मुकाबले को बराबरी पर लाते हुए सेट 6-4 से अपने नाम किया। तीसरे सेट में भी कड़ी टक्कर हुई और अंत में गेडेकी-पीयर्स ने टाइब्रेक में सेट 10-6 से जीतकर खिताब अपने नाम किया।

यह गैडेकी का ग्रैंड स्लैम में पहला मिश्रित युगल खिताब था, जबकि पीयर्स ने इस श्रेणी में 2022 यू.एस. ओपन जीता था और यह उनका दूसरा खिताब है। 36 वर्षीय खिलाड़ी पीयर्स ने हमवतन मैथ्यू एबडेन के साथ पेरिस ओलंपिक में पुरुष युगल स्वर्ण और फिन हेनरी कोंटिनेन के साथ 2017 ऑस्ट्रेलियन ओपन भी जीता है। शुक्रवार का मैच ओपन युग में टूर्नामेंट का पहला ऑल-ऑस्ट्रेलियाई फाइनल था। इसके अलावा यह ऑस्ट्रेलियन ओपन का 14वां संस्करण भी है, जहां किसी घरेलू खिलाड़ी को कम से कम एक श्रेणी में चैंपियन का ताज पहनाया गया।

भारतीय पीडी क्रिकेट टीम को केंद्रीय खेल मंत्री ने किया सम्मानित, दिव्यांग खिलाड़ियों को मिलेगा पूर्ण सरकारी समर्थन

नई दिल्ली

केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने शुक्रवार को श्रीलंका के कोलंबो में आयोजित पीडी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीतने पर भारतीय शारीरिक विकलांगता (पीडी) क्रिकेट टीम को सम्मानित किया। भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी।

दिल्ली स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण के मुख्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद और एक्सेसिबिलिटी संगठन 'स्वयं' द्वारा समर्थित टीम को विशेष सम्मान दिया गया।

इस मौके पर डॉ. मंडाविया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समावेशी खेल दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिव्यांग एथलीटों के प्रति प्रतिबद्धता को लेकर हमेशा आगे रहे हैं। 'दिव्यांग' होना कमजोरी नहीं, बल्कि एक विशेष क्षमता है। हमारी टीम ने यह साबित कर दिया है कि वे देश को गर्व महसूस करा सकते हैं। छह में से पांच मैच जीतकर और इंग्लैंड, श्रीलंका, और पाकिस्तान जैसी टीमों को हराना असाधारण उपलब्धि है।

भारतीय पीडी क्रिकेट टीम की चयन प्रक्रिया बेहद कठोर रही। उदयपुर में हुए ट्रायल्स में देशभर के 28 राज्यों से आए 450 से अधिक खिलाड़ियों में से 56 को जयपुर में आयोजित चैलेंजर ट्रॉफी के लिए चुना गया। अंत में 17 खिलाड़ियों को भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला।

डॉ. मंडाविया ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा, पेरिस पैरालिंपिक से लेकर पीडी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 तक, हमारे 'दिव्यांग' एथलीट देश को गर्व के पल दे रहे हैं। सरकार आपके साथ हर कदम पर खड़ी है। आपकी उपलब्धियां देश के युवाओं को प्रेरणा देंगी।

सम्मान समारोह में पूरी टीम के साथ कोच, डीसीसीआई के महासचिव रविकांत चौहान, स्वयं की संस्थापक-चेयरपर्सन स्मिनू जिंदल, और खेल मंत्रालय के अधिकारी उपस्थित थे।

भारतीय पीडी क्रिकेट टीम की इस उपलब्धि ने दिव्यांग एथलीटों के प्रति सरकार और समाज की जिम्मेदारी को और अधिक मजबूत किया है।

खरीदारी

कार्पेट खरीदने जा रही हैं तो इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप भी अपने घर को सजाने के लिए कार्पेट या कालीन खरीदने जा रही हैं तो इन बातों के बारे में जान लें। बाजार में कार्पेट बहुत से रंगों और डिजाइन में मिलते हैं। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं कुछ जरूरी बातें और टिप्स जिन्हें कार्पेट खरीदने से पहले आपके लिए जानना जरूरी है...

1. कार्पेट खरीदने से पहले यह तय कर लें कि आपको किस कमरे के लिए कैसा कार्पेट चाहिए। इससे आपको कार्पेट खरीदने में ज्यादा परेशानी नहीं होगी। रूम को लाइट और हैपी दिखाने के लिए चमकीले कार्पेट का इस्तेमाल करें। ऊबड़ खाबड़ फर्श के लिए रोएंदार लूप या फंदे वाला कार्पेट लें। इससे फर्श की ऊंच-नीच नजर नहीं आएगी।

2. कार्पेट खरीदते समय उसके धागे की ऐंठन पर ध्यान दें। एक धागे में जितनी ज्यादा ऐंठन होगी रोयां उतना घना होगा। ऐसे कार्पेट पर पैर के निशान कम दिखेंगे।

3. सबसे ज्यादा परेशानी कार्पेट को धोने में होती है। बाजार में ऐसे कई कार्पेट मिलते हैं जो स्टेनफ्री होते हैं। ड्रॉइंग रूम के लिए ऐसे ही कार्पेट खरीदें, जिससे इन्हें धोने में आसानी हो।

4. हमेशा स्टाइल के अनुसार ही कार्पेट को चुनें। मखमल के कार्पेट्स न खरीदें क्योंकि इन पर पैरों के निशान, वैक्यूम के निशान रह जाते हैं।

5. कार्पेट प्रोवाइडर का चुनाव करते समय ध्यान में रखें कि इसकी वरायटी अच्छी हो और यह आपके बजट में हो। आप इसे किसी शोरूम, फ्लोरिंग कंपनी, बड़े डिपार्टमेन्टल स्टोर या फिर ऑनलाइन भी खरीद सकते हैं।

6. अगर आपके घर में बच्चे या डॉगी है तो ऐसा कार्पेट ही चुनें जिसकी देखभाल करना आसान हो और मेन्टेनेंस पर खर्च भी कम आता हो।

7. कार्पेट खरीदते समय उसकी लंबी वॉरंटी न देखें। कार्पेट वही खरीदें जिसे अच्छे मटीरियल से बनाया गया हो। अगर कार्पेट अच्छी क्वालिटी का बना हो तो उसकी वॉरंटी भी ज्यादा होगी।

8. हमेशा ऊन या जैविक सामग्री से बने कार्पेट्स ही खरीदें। जो वाष्पशील पदार्थों से बने होते हैं उन्हें कभी न खरीदें क्योंकि इनमें इन्स्टॉलेशन के बाद बदबू आने लगती है।

ठंड में रोज आधे घंटे के लिए करें ये काम, नहीं होगी कोई बीमारी

वैसे तो नियमित योगाभ्यास हर मौसम में किया जाना चाहिए। लेकिन सर्दी के मौसम में इसकी जरूरत और भी बढ़ जाती है। कुछ खास योगासन करके इम्यूनिटी लेवल को बढ़ाकर सर्दी में होने वाली बीमारियों से दूर रहा जा सकता है। सर्दी के मौसम में विशेष रूप से किन योगासन को करना चाहिए इस बारे में योगा ट्रेनर जितेंद्र जानकारी दे रहे हैं।

सर्दियों में हमें कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं परेशान करती हैं। खांसी-जुकाम और बुखार बार-बार होता है। असल में इसकी वजह रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना है। लेकिन इस मौसम में भी बीमारियों से दूर रहा जा सकता है। अगर नियमित कुछ खास तरह के योगासन किए जाएं, तो इम्यूनिटी को बढ़ाया जा सकता है। साथ ही इनको करने से सर्दी के मौसम में भी एनर्जेटिक रहा जा सकता है।

पश्चिमोत्तानासन

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर बैठ जाएं। दोनों पैरों को सामने फैलाएं। इस दौरान आप पीठ की मांसपेशियों को ढीला छोड़ दें। सांस लेते हुए अपने हाथों को ऊपर लेकर जाएं और फिर सांस छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें। इस दौरान धीरे-धीरे सांस लें और फिर धीरे-धीरे सांस छोड़ें। फिर वापस सामान्य अवस्था में लौट आएं। आप इस आसन को शुरुआत में तीन से पांच बार कर सकती हैं। इस आसन को करते समय कभी भी झटके से करने का प्रयास न करें और न ही जल्दबाजी करें। इस आसन को हमेशा खाली पेट ही करना चाहिए।

कूर्मासन

सबसे पहले आप बैठ जाएं। अपने पैर को दोनों ओर फैलाएं और सांस छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें। अब हाथों को पैरों के नीचे से ले जाएं और फैला दें। अब कमर से रीढ़ की हड्डी को खींचने की कोशिश करें और जमीन पर माथा लगाने का प्रयास करें। इस अवस्था में धीरे-धीरे सांस लें और फिर धीरे-धीरे सांस छोड़ें। सांस लेते हुए आरंभिक अवस्था में आएं। आप इस आसन को 3 से 5 बार करें। शुरुआती दौर में, इसे करने में आपको थोड़ी समस्या हो सकती है, लेकिन धीरे-धीरे अभ्यास से आप इसमें निपुण हो जाएंगी। यह आसन शरीर के विभिन्न अंगों को उत्तेजित करते हुए आपको तरोताजा बनाए रखता है, इसलिए सर्दियों के मौसम के लिए यह एक उत्तम आसन है।

मंडूकासन

सबसे पहले घुटने मोड़कर वज्रासन में फर्श पर बैठ जाएं। अब मुट्ठी बांधें और इसे अपनी नाभि के पास लेकर आएं। मुट्ठी को नाज़ि और जांघ के पास ऐसे रखें कि मुट्ठी खड़ी हो और अंगुलियां आपके उदर की तरफ हों। अब सांस छोड़ते हुए आगे झुकें और छाती को इस तरह नीचे लाएं कि वह जांघों पर टिकी रहे। साथ ही कोशिश करें कि नाभि पर ज्यादा से ज्यादा दबाव आए। आसन के दौरान अपना सिर और गर्दन उठाए रखें और दृष्टि सामने की ओर रखें। साथ ही सांस भी धीरे-धीरे लें और छोड़ें। सांस लेते हुए अपनी सामान्य अवस्था में वापस लौट आएं। चूंकि शरीर में गर्मी पेट के माध्यम से ही उत्पन्न होती है और यह उदर के लिए एक बेहतरीन व्यायाम है, इसलिए सर्दियों में इसे करना अच्छा रहता है।

शशकासन

सबसे पहले आप पद्मासन में बैठ जाएं और अपनी रीढ़ की हड्डी को सीधा रखें। अब दोनों घुटनों के बीच दूरी बनाएं। साथ ही दोनों बाहें भी सिर के ऊपर उठाएं। बांहों को कंधे की चौड़ाई जितनी दूरी पर रखें। सांस छोड़ते हुए और बाहें सीधी रखते हुए कमर से आगे की ओर झुकें। इस दौरान आपके ठोड़ी और बाहें फर्श पर टिकी होनी चाहिए और नजरें सामने की ओर होनी चाहिए। थोड़ी देर इस अवस्था में रहने के बाद सांस लेते हुए धीरे-धीरे आरंभिक अवस्था में आ जाएं।

सूर्यभेदी प्राणायाम

सबसे पहले आप आंखें बंद करके पद्मासन में बैठ जाएं। दाहिने हाथ की अनामिका और छोटी अंगुली से बाईं नासिका को बंद करें और बिना आवाज किए दाहिनी नासिका से धीरे-धीरे सांस लें। अब दाहिनी नासिका को अंगूठे से बंद करें और अपनी ठोड़ी को सीने की ओर मजबूती से दबाते हुए सांस रोकें। यह स्थिति कुंभक कहलाती है। अब कुंभक की अवधि को धीरे-धीर बढ़ाएं। फिर अंगूठे से दाहिनी नासिका को बंद करें और बाईं नासिका से बिना कोई आवाज किए धीरे-धीरे श्वांस छोड़ें। सांस लेना, सांस छोड़ना और कुंभक का जो अनुपात है, वह 1 2 4 का होना चाहिए।

भस्त्रिका प्राणायाम

पद्मासन में बैठ जाएं और कमर, गर्दन, पीठ और रीढ़ की हड्डी को सीधा रखते हुए शरीर को बिल्कुल स्थिर रखें। इसके बाद बिना शरीर को हिलाए, दोनों नासिका छिद्रों से आवाज करते हुए श्वांस भरें और बाहर निकालें। श्वांस लेने और छोड़ने की गति तीव्र होनी चाहिए। श्वांस लेते समय पेट बाहर की ओर फुलाना है और श्वांस छोड़ते समय पेट अंदर की ओर खींचना है। यह प्रक्रिया करते समय केवल आपका पेट हिलना चाहिए, छाती स्थिर रहनी चाहिए। इस तरह कम से कम 20 बार अवश्य करें। इस प्राणायाम में श्वांस लेने और छोड़ने का समय समान रखें।

कपालभाति

सर्वप्रथम पद्मासन में बैठ जाएं। गहरी लंबी सांस लें। अब सांस छोड़ते हुए अपने पेट को जितना संभव हो अंदर की ओर खींचें। जितना कर सकें, उतना ही करें। जब आपको थकान महसूस होने लगे, तो रुक जाएं। शुरुआत में इस क्रम को 20-25 सेकेंड तक करें। दूसरे क्रम को कुछ देर रुक कर जारी कर सकती हैं।

अन्य कारगर योगासन

ऊपर बताए गए योगासनों के अलावा आप शुरुआत में कुछ अन्य योगासन भी कर सकती हैं। ये योगासन आपके लिए वॉर्मअप का काम करेंगे। इससे आपका शरीर जटिल योगासन करने के लिए तैयार हो जाएगा। इनमें ग्रीवा शक्ति विकासक, पूर्णभुजाशक्ति विकासक, कटिचक्रासन क्रिया और सर्वांगपुष्टि, किए जा सकते हैं।

यह सभी योगासन किसी विशेषज्ञ की देख-रेख में ही करें। अगर आपको कमर दर्द की शिकायत है, तो आप आगे की ओर झुकने वाले आसन न करें।

खरीदारी

शादी का लहंगा खरीदते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

शादियों का सीजन है और हर तरफ जोर शोर से शादी की तैयारियां की जा रही हैं। शादी की बाकी तैयारियों जितनी ही अहम है दुल्हन के लिए शादी का लहंगा। हर लड़की चाहती है कि शादी के दिन वह सबसे खूबसूरत दिखे और इसमें उसके वेडिंग ड्रेस का सबसे अहम रोल होता है। लिहाजा शादी का लहंगा खरीदते समय आपको इन बातों का ध्यान रखना चाहिए...

1. ब्राइडल लहंगा खरीदते वक्त इस बात का ख्याल रखें कि जो भी लहंगा चुने वह आपके रंग पर खरा उतरना चाहिए। अपनी हाइट-वेट और कलर के अनुसार ही लहंगा चुनें क्योंकि यह जरूरी नहीं है कि जो लहंगा दिखने में खूबसूरत लग रहा हो वो पहनने में में भी उतना अच्छा लगे।

. अगर आपकी हाइट परफेक्ट है पर आपका वेट ज्यादा है तो ऐसे में आपको घेरदार लहंगा लेना चाहिए। यह आप पर अच्छा लगेगा।

3. अगर आप हेल्दी हैं लेकिन हाइट अच्छी है तो फिटिंग वाला लहंगा आप पर खूब जचेगा। इससे आपका मोटापा कम दिखेगा और शरीर का लुक पतला भी नजर आयेगा।

4. यदि आपका रंग गोरा है तो इसमें आपको हरे रंग के लहंगे अच्छे लगेगें। लाइट सॉफ्ट ग्रीन या सॉफ्ट पेस्टल वाले रंगों में या फिर पिंक, पीच जैसे रंग आप पर बहुत अच्छे लगेंगे।

5. अगर आपका रंग सांवला है तो आप गोल्डन, नेवी ब्लू, रॉयल ब्लू के अलावा रूबी रेड, ऑरेंज रस्ट जैसे रंगों का चुनाव कर सकती हैं। पेस्टल कलर आपके ऊपर बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगेगा इसलिए इसका चुनाव बिलकुल न करें।

6. डस्की ब्यूटी वालों को भड़कीले जैसे, मजेंटा, लाल, नारंगी जैसे रंग के लहंगे काफी अच्छे लगते हैं।

7. इस बात का खास ध्यान रखें कि जो भी लहंगा आप खरीदें वो काफी वर्क वाला हो पर उसका दुपट्टा हल्का होना चाहिये। यदि दोनों का वर्क भारी होगा तो आपकी जूलरी का लुक उभर कर नहीं आयेगा।

सर्दी की रौनक देखनी है तो जाएं औली

यह जरूरी नहीं कि आप गर्मियों में ही हिल स्टेशन जाएं। सर्दी में तो इसका मजा और भी बढ़ जाता है। अगर आप घूमने की प्लानिंग कर रहे हैं तो औली जा सकते हैं। चमोली जिले स्थित इस हिल स्टेशन में गर्मियों के मुकाबले सर्दियों में ज्यादा चहल-पहल होती है।

खूबसूरत पहाड़िया और जंगल ही जंगल

जिला चमोली में जोशीमठ के पास समुद्रतल से 9 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित औली गढ़वाल एक पॉप्युलर टूरिस्ट प्लेस है। यहां से चारों ओर की खूबसूरत पहाड़ियों व जंगल का नजारा लिया जा सकता है। अगर आप गाड़ी से जा रहे हैं तो जोशीमठ पहुंचने से तकरीबन आधा किलोमीटर पहले एक सड़क दाईं ओर औली के लिए जाती है जिस पर लगातार घुमावदार चढ़ाई में जंगल से गुजरते हुए तकरीबन 16 किलोमीटर चलने के बाद आप औली पहुंचते हैं। घुमावदार पहाड़ियों से जाने पर आपको 40 मिनट लग सकते हैं। औली जाने के लिए बस सेवा नहीं है, लेकिन जोशीमठ से प्राइवेट टैक्सियां मिल जाती हैं।

औली तक पहुंचने के लिए रोप वे का भी बढ़िया इंतजाम है। इसकी स्पीड देश के बाकी रोप वे से अधिक मानी जाती है। देवदार के घने जंगल से होते हुए यह ढलानों के ऊपरी छोर तक पहुंच जाता है। ऊंचाई के कारण ऐसा लगता है कि मानों आप बादल के बीच में उड़ रहे हों। इससे दूर-दर तक बर्फ से ढकी पहाड़ियों को भी आप दूरबीन की मदद से साफ देख सकते हैं।

उड़ेंगे पहाड़ियों के बीच में

मानों बिछी हो रुई

बुग्याल एक गढ़वाली शब्द है, जिसे हिंदी में चारागाह कहते हैं। यह 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। अगर धूप हो तो हिमालय की पहाड़ियां यहां ऐसे दिखती हैं मानों चारों तरफ रुई बिछा दी गई हो।

ब्लू शिप भरल का आकर्षण

यहां के ऊंचे हिमालयी बर्फीले एरिया में ब्लू शिप पाया जाता है। इसे भरल नाम से जाना जाता है। 70 इंच लंबा सींग वाला ब्लू शिप काफी बड़ा होता है। उत्तराखंड में होने वाले विंटर स्पोर्ट्स में इसे शुभंकर बनाया गया है। विंटर गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने बर्फीले इलाके में भरल के रहने की क्षमता और इसमें एक स्कीयर की क्वॉलिटी को देखते हुए इसे शुभंकर बनाया है।

ठहरने की व्यवस्था

यहां ठहरने के लिए गढ़वाल विकास निगम ने एक गेस्ट हाउस बनाया हुआ है जिसमें लगभग 110 रूम हैं। सभी तरह के बजट वालों के लिए यह सुविधाजनक है। भारत-तिब्बत पुलिस का भी यहां पर रेस्ट्रॉन्ट है। वैसे यहां ठहरने के लिए कॉटेज और हट की व्यवस्था भी है। आप चाहें तो यहां से घूमने के बाद ठहरने के लिए जोशीमठ भी जा सकते हैं। जोशीमठ में ढेरों होटल व गेस्ट हाउस हैं।

कैसे पहुंचें

औली पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी हवाई अड्डा देहरादून के पास जौली ग्रांट है, जो जोशीमठ से 273 किलोमीटर दर है। यहां से बस व टैक्सी से औली पहुंचा जा सकता है। नजदीकी रेलवे स्टेशन हरिद्वार है, जो यहां से तकरीबन 299 किलोमीटर दूरी पर स्थित है।

बेस्ट सीजन: नवंबर से अप्रैल के बीच

रेसिपी

मशरूम क्रीम सूप

सामग्री

मशरूम- 600 ग्राम, प्याज- 1(कटा हुआ)
लहसून- 3 कलिया (बारीक कटी)
ताजा हरा धनिया- 1 कप (कटा हुआ)
जैतून का तेल- 1 टेबलस्पून
वैजीटेबल स्टॉक- 1.5 लीटर
क्रीम- 75 मि.ली.
ब्रैड क्रम्स- स्लाइस में काटे हुए
नमक- स्वादानुसार
काली मिर्च- स्वादानुसार

विधि मशरूम को साफ कर बारीक काट लें। पैन में तेल गर्म करें और प्याज, लहसून और धनिया डाल कर भून लें। अब इसमें मशरूम डालें और सॉफ्ट होने तक पकाएं। अच्छी तरह पक जाने पर इसमें वैजीटेबल स्टॉक मिलाएं15 मिनट तक नमक डालकर पकाएं। फिर सारे मिश्रण को मिक्सी में पीस लें और पैन में दोबारा क्रीम डालकर गर्म करें। गर्मागर्म सूप तैयार हैं। ब्रैड क्रम्स व मशरूम के 1-2 पीस के साथ गार्निश करें।

बेसन चीला

सामग्री

1 कप बेसन, 1/4चम्मच हल्दी,1/4 चम्मच अजवाइन,नमक स्वादनुसार,आधा कप पानी,आधा प्याज (कटा हुआ),2 बड़े चमच धनिये के पत्ते (कटे हुए),आधा टमाटर(कटा हुआ),1 इंच अदरक (कटा हुआ),1 हरी मिर्च (कटी हुई),5 चमच तेल 1 हरी मिर्च (कटी हुई)।

विधि बड़े बाउल में 1 कप बेसन मिलाएं। फिर इसमें 1/4चम्मच हल्दी, 1/4चम्मच अजवाइन और नमक डालकर अच्छे से मिला लें। अब इसमें आधा कप पानी मिलाए और तब तक हिलाते रहे, जब तक यह स्मूद पेस्ट न बन जाएं। अब इसको 30 मिनट के लिए साइड पर रख दें। अब इस पेस्ट में आधा कटा प्याज ,आधा टमाटर, 2 बड़े चमच धनिया पत्ते, 1 इंच कटा हुआ अदरक और 1हरी मिर्च मिलाएं। फिर इसे अच्छे से मिस करें और फिर से स्मूद पेस्ट बना लें। एक गर्म तवे पर चमचे की मदद से इस पेस्टको फैलाएं। फिर चिल्ला के ऊपर तेल के कुछ चमच डालें और मध्यम आंच पर पकाएं। चीला को दोनों साइड से पकाएं। बस बनकर तैयार है आपका बेसन चीला। इसे मोड़कर हरी चटनी के साथ सर्व करें।

सर्दियों में घर में यूं बनाए रखें गमार्हट

सर्दियों में घर में गमार्हट बनाए रखने के लिए चमकीले, चटख रंग के कुशन इस्तेमाल में लाए जा सकते हैं या मोमबत्तियां जलाई जा सकती हैं। इससे आपको भी गमार्हट व सुकून का अहसास होगा।

* चमकीले और आरामदायक, स्पॉन्जी टेक्सटाइल के इस्तेमाल के लिए सर्दी सबसे उपयुक्त मौसम है। ऊन, फॉक्स फर या मखमल के कुशन को इस्तेमाल में लाएं।

* ठंडे फर्श पर नहीं चलें। फर्श पर रंगीन, खबूसूरत कालीन या दरी बिछाएं, जो न सिर्फ आपके पैरों को गर्म रखेंगे, बल्कि घर की खूबसूरती भी ब?ाएंगे। आप चाहें तो स्टाइलिश, रंगीन कॉपेर्ट का चयन कर सकती हैं।

* सर्दियों में दीवारों को चटख गर्म रंगों जैसे लाल, पीला, भूरा रंग से पेंट कराएं। इससे आपके घर को नया और स्टाइलिश लुक भी मिलेगा।

* आप चाहें तो कई मोमबत्तियां जलाकर भी घर में गमार्हट बनाए रख सकती हैं। मोमबत्तियां आपको गमार्हट का अहसास दिलाने के साथ रूमानी अहसास भी दिलाएंगी।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**